संयम◆संस्कार◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-20 अंक- 325
पृष्ठ 8
बुधवार
14 अगस्त 2024
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- क्या प्लास्टिक से बच्चों को..
विचार- जाति जनगणनाः सामाजिक न्याय की ओर कदम
खेल- दलीप ट्रॉफी के फॉर्मेट में हुआ बदलाव...

यूपीएसएससी से चयनित अभ्यर्थियों को सीएम योगी ने बांटे नियुक्तिपत्र, बोले-

खटाखट स्कीम वाले फिर पिकनिक मनाने निकल गए

लखनऊ, एजेंसी। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को लोकभवन सभागार में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत चयनित 1,036 अभ्यर्थियों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम में सीएम योगी ने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान अप्रैल–मई के महीने में आपने खटाखट स्कीम के बारे में सुना होगा। लोगों से एक–एक लाख रुपए के बॉन्ड भरवाए गए थे। हर महीने 8,500 रुपए भेजने का वायदा किया गया था। लेकिन, खटाखट स्कीम वालों का देश में अता–पता नहीं है। खटाखट वाले लोग चुनाव खत्म होते ही फिर से पिकनिक मनाने के लिए निकल गए हैं। जब चुनाव का मौसम आएगा तो खटाखट वाले लोग समाज को विभाजित करने और अराजकता फैलाने के लिए फिर आ जाएंगे। उन्होंने कहा कि अब बिना किसी सिफारिश और लेन–देन के उत्तर प्रदेश में सरकारी नौकरी प्राप्त करना संभव है। विगत साढ़े सात वर्ष से हमारी सरकार आरक्षण के नियमों का पालन करते हुए युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित कर रही है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा चयन आयोग द्वारा 2012 से 2017 के बीच 26,394 पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया संपन्न हुई थी। इसमें 13,469 पदों पर सामान्य, 6,966 पदों पर ओबीसी, 5,634 पदों पर एससी और 327 पदों पर एसटी वर्ग के युवाओं का चयन हुआ था। इसमें ओबीसी का जो प्रतिशत है, वह केवल 26.38 प्रतिशत था। हमारी सरकार में उत्तर प्रदेश लोक सेवा चयन आयोग के माध्यम से 46,675 भर्तियां हुईं। इसमें ओबीसी के कुल 17,929 अभ्यर्थी चयनित हुए, जिनका प्रतिशत 38.41 है।

उन्होंने बताया कि ओबीसी, एससी और एसटी के प्रतिशत को जोड़ लिया जाए तो डबल इंजन सरकार में 60 प्रतिशत से ज्यादा अभ्यर्थियों का चयन उत्तर प्रदेश लोक सेवा चयन आयोग के माध्यम से हुआ है। अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से पूर्ववर्ती सरकार (वर्ष 2012 से 2017) के बीच कुल 19,312 अभ्यर्थियों का चयन हुआ था। जबकि, वर्ष 2017 से 2024 के बीच डबल इंजन सरकार में 42,409 से अधिक युवाओं को चयन प्रक्रिया से जोड़ा गया है। हमारी सरकार में संविधान द्वारा निर्धारित आरक्षण की पूरी व्यवस्था का पालन करते हुए उन्हें नियुक्ति पत्र दिया गया है। आज यह सभी युवा प्रदेश के विकास में अपना योगदान दे रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि आज प्रदेश में पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा है। डबल इंजन सरकार में अगर किसी ने प्रदेश के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया तो ऐसी सजा देंगे, जो देश और दुनिया के सामने नजीर बनेगी। जिन लोगों के पास कोई कार्य नहीं है, वह अफवाह फैलाकर युवाओं को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत चयनित 536 सहायक शोध अधिकारी (सांख्यिकी), 235 सहायक सांख्यिकीय अधिकारी, 213 कनिष्ठ सहायक, लेखा लिपिक, मंडी पर्यवेक्षक श्रेणी–2, मंडी निरीक्षक, 15 नक्शानवीस/मानचित्रक और 37 मानचित्रकार सहित कुल 1,036 युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किया। इन युवाओं को चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, पर्यावरण, वन, जंतु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन, मंडी परिषद, मत्स्य विभाग, अर्थ एवं संख्या प्रभाग, सहकारिता विभाग, नगर एवं ग्राम्य नियोजन, पर्यटन विभाग, लघु सिंचाई और संस्थागत वित्त में नियुक्ति मिली है।

सुप्रीम कोर्ट ने बाबा रामदेव, बालकृष्ण के खिलाफ अवमानना कार्यवाही बंद की

नई दिल्ली,एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने योग गुरु बाबा रामदेव और पतंजलि के प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण के खिलाफ शुरू की गई अवमानना कार्यवाही मंगलवार को बंद कर दी। न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने उनके अपने उत्पादों के विज्ञापन के मामले में दिए गए अपने शपथ के उल्लंघन के लिए माफी मांगने के तथ्य के मद्देनजर यह फैसला किया। पीठ ने कहा कि दोनों अवमाननाकर्ताओं ने अपने कृत्यों के लिए अपनी माफी प्रकाशित की। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) द्वारा 2022 में एक याचिका दायर की गई थी, जिसमें पतंजलि और रामदेव द्वारा कोविड टीकाकरण अभियान और आधुनिक चिकित्सा पद्धति के खिलाफ अभियान चलाकर बदनाम करने का आरोप लगाया गया था। शीर्ष अदालत ने 27 फरवरी को बाबा रामदेव

और बालकृष्ण को कारण बताओ नोटिस जारी किया और विभिन्न बीमारियों के इलाज का दावा करने वाले पतंजलि के भ्रामक और झूठे विज्ञापनों के खिलाफ कार्रवाई न करने के लिए केंद्र की आलोचना की थी और बाबा रामदेव द्वारा संचालित कंपनी को अब से ऐसी घोषणाएं करने से रोक दिया था। कंपनी और उसके प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण को कारण बताओ अवमानना नोटिस जारी करते हुए अदालत ने कहा था कि पूरे देश को गुमराह किया जा रहा है। शीर्ष अदालत ने 19 मार्च को रामदेव और बालकृष्ण को उनके खिलाफ अवमानना कार्यवाही में कारण बताओ नोटिस का जवाब दाखिल करने में विफल रहने के लिए व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया था। उच्चतम न्यायालय ने 02 अप्रैल को उनकी माफी को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि यह सरल और दिखावटी है तथा उन्होंने पूर्ण अवज्ञा और आक्रामकता दिखाई है।

आतिशी के झंडा फहराने पर जीएडी ने लगाई रोक

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने आज स्पष्ट कर दिया कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ग़ैरमौजूदगी में आगामी स्वतंत्रता दिवस पर कैबिनेट मंत्री आतिशी झंडा नहीं फहरा सकतीं हैं। सामान्य प्रशासन विभाग के मंत्री गोपाल राय ने दरअसल कल जीएडी के अतिरिक्त मुख्य सचिव को पत्र लिखकर कहा था कि वह मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मिलकर आये हैं। मुख्यमंत्री चाहते हैं कि 15 अगस्त वाले समारोह

में आतिशी झंडा फहराए। इसके लिए तैयारी करें। इसके बाद जीएडी के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने गोपाल राय को पत्र लिखकर कहा कि आतिशी के झंडा फहराने का निर्देश कानूनन सही नहीं है इसलिए आतिशी के झंडा फहराने के निर्देश पर कार्रवाई नहीं की जा सकती है। आप की वरिष्ठ नेता आतिशी ने इस पर कहा कि, आज एक चुनी हुई सरकार के झंडा फहराने के अधिकार की छीना जा रहा है। आज दिल्ली में एक नए वायसराय आ गये हैं जो कह रहे है कि झंडा वह फहरायेंगे। 15 अगस्त को तिरंगा फहराना देश के लोगों का अधिकार है, दिल्ली के लोगों को अधिकार है, दिल्ली के लोगों द्वारा चुनी हुई सरकार का अधिकार है। अगर चुनी हुई सरकार को झंडा नहीं फहराने दिया जाता तो तानाशाही का इससे बड़ा कोई और प्रमाण नहीं होगा।

औरंगाबाद में कार नहर में पलटी, पांच लोगों की मौत

औरंगाबाद, एजेंसी। बिहार के औरंगाबाद जिले के दाउदनगर थाना क्षेत्र में मंगलवार को सोन नहर में कार के पलट जाने से पांच लोगों की डूबकर मौत हो गई। दाउदनगर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ऋषि राज ने बताया कि कार पर सवार लोग रोहतास जिले के गुप्ताधाम में दर्शनदृपूजन करने गए थे। वहां से लौटने के क्रम में मंगलवार की सुबह उनकी कार अनियंत्रित हो गई और बारूनदृदाउदनगर नहर रोड स्थित चमन बिगहा गांव के समीप नहर में जा गिरी। नहर में पानी अधिक होने के कारण कार में सवार सभी लोगों की डूबकर मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे और इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से कार में सवार सभी मृतकों के शव को बाहर निकाला। श्री ऋषि राज ने बताया कि मृतकों की पहचान पटना जिले के राजीव नगर थाना क्षेत्र निवासी दीपक कुमार (38),कन्हाई राय(37) , रोहित कुमार (12), नारायण चौहान (30) और रवि कुमार (32) के रूप में की गयी है।

किरेन रिजिजू बोले- अल्पसंख्यकों के लिए सबसे सुरक्षित देश है भारत

● विपक्ष पर लगाया अफवाह फैलाने का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्षी दलों पर देश को बदनाम करने का आरोप लगाया और कहा कि यह दिखाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है कि भारत में अल्पसंख्यक सुरक्षित नहीं हैं। दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए, किरेन रिजिजू ने कहा कि जब भी पड़ोसी देशों में तनाव या अशांति होती है, तो उन देशों के लोग भारत में शरण लेते हैं क्योंकि उन्हें पता है कि भारत हमेशा अल्पसंख्यकों के लिए एक सुरक्षित देश है। भाजपा नेता ने कहा कि संवैधानिक रूप से मान्यता प्राप्त समुदाय, हिंदुओं को छोड़कर, अल्पसंख्यक समुदाय हैं। छह मान्यता प्राप्त अल्पसंख्यक, तकनीकी रूप से और परिभाषा के अनुसार हम अल्पसंख्यक हैं

लेकिन किसी भी तरह से, भावनात्मक रूप से, सामाजिक रूप से.... इस देश में कोई भी अल्पसंख्यक नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारा देश विकास कर रहा है; एक बहस सामने आई है कि भारत में अल्पसंख्यक सुरक्षित नहीं हैं। 1959 में जब उत्तरी सीमाओं पर चीन ने हमला किया और तिब्बत पर कब्ज़ा कर लिया, तो तिब्बती लोग भारत आ गए, बर्मा से भी लोग भारत आए; और फिर नेपाल और भूटान से भी शरणार्थी भारत आए। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में जो हो रहा है, उससे लोग भारत आ रहे हैं। श्रीलंका में तनाव के बाद तमिल लोग भी भारत आ गए। हर कोई भारत आता है क्योंकि उन्हें पता है कि भारत अल्पसंख्यकों के लिए सुरक्षित देश है। मैं भी अल्पसंख्यक हूँ, लेकिन मुझे ऐसा कभी महसूस नहीं हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में आए सकारात्मक बदलावों पर प्रकाश डालते हुए किरेन रिजिजू ने कहा, ष्इस देश के युवाओं के लिए एक समय था जब शिक्षित युवा विदेश जाते थे और वहीं समृद्ध होते थे, लेकिन 2014 के बाद हमने एक बदलाव देखा है कि अब यहां काम करना पड़ता है। शताब्दी समारोह के समय प्रधानमंत्री का 2047 का विजन है, हमें विकसित होना होगा।

राम रहीम 21 दिन के पैरोल पर रिहा

चंडीगढ़, एजेंसी। बलात्कार और हत्या के आरोप में सजा भुगत रहे सिरसा डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत सिंह राम रहीम को मंगलवार को 21 दिन के पैरोल पर रिहा कर दिया गया। सूत्रों के अनुसार जेल से रिहा होने के बाद राम रहीम उत्तर प्रदेश के बागपत आश्रम चला गया। उसे दो साध्वियों के यौन शोषण तथा पत्रकार रामचंदर छत्रपति की हत्या के आरोप में दोषी करार दिए जाने के बाद 20 साल कैद की सजा सुनायी गयी थी और वह रोहतक की सुनारिया जेल में अपनी सजा भुगत रहा है। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने हाल ही में राम रहीम को बार–बार पैरोल दिए जाने के खिलाफ शिरोमणि गुरद्वारा प्रबंधक कमिटी की एक याचिका का निबटारा किया है। फरवरी 2022 से राम रहीम को आठ बार पैरोल पर रिहा किया गया है और हर बार लगभग चुनाव के आसपास का समय ही रहा है।

बीजेपी नेता सतनाम सिंह बिट्टा को पाकिस्तान से मिली जान से मारने की धमकी

जालंधर, एजेंसी। बीजेपी नेता सतनाम सिंह बिट्टा और उनके परिवार को पाकिस्तान से वाट्सएप कॉल कर बम से उड़ाने की धमकी मिली है। उन्हें फोन आया है। धमकी देने वाले ने कहा कि अगर तुम बीजेपी से रुखसत नहीं हुए, तो तुम्हारा हश्र बुरा होगा। उन्हें 92305565843 नंबर से फोन आया। सतनाम सिंह बिट्टा ने बताया कि फोन करने वाले ने उनसे धमकी भरे लहजे में कहा, "अगर तुमने बीजेपी नहीं छोड़ी, किसानों का नेतृत्व करना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पैरोकारी करना बंद नहीं किया, तो तुम्हारे और तुम्हारे परिवार के टुकड़े–टुकड़े कर दिए

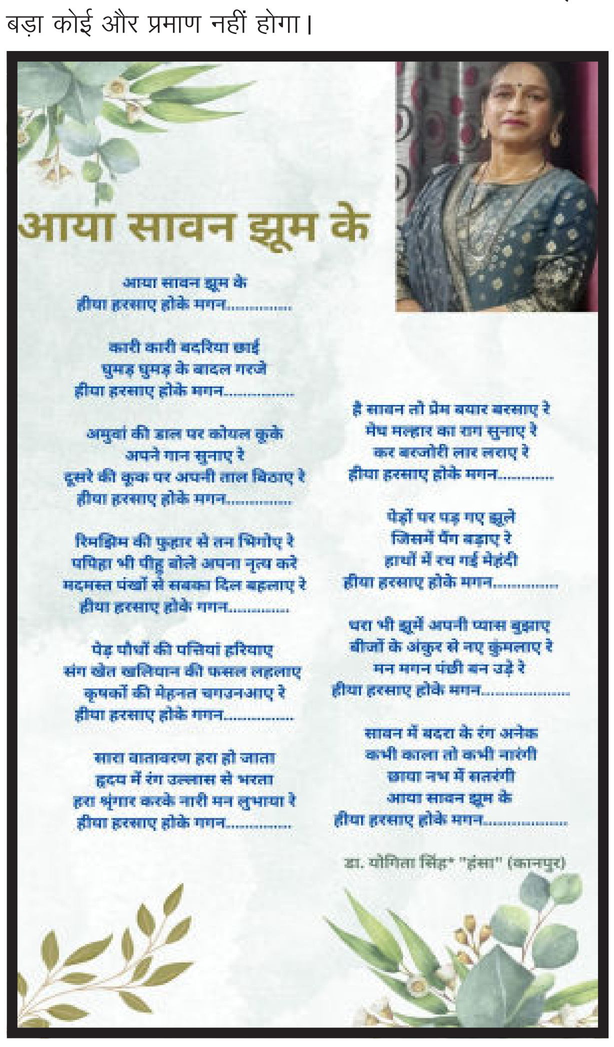

खट-खट, खट -खट,तेगा ब्वालैं,छपकि छपकि-छपकै तलवारि.....

ओज पूर्व लोककथा से सृजित आल्हा गायन का लोकरंग सहेजना जरुरी

अशोक सिंह बेशरम

अपनी ओजस्वी शैली और अनूठी अभिव्यक्ति के साथ लोककथाओं को व्याख्यायित करते आल्हा गायन का लगभग

860वरष पुराना अपना एक अलग इतिहास, राग –रंग और रुतवा रहा है। कभी बुंदेली माटी का खांटी रंग लिएआल्हा ने महोबिया,दतिया

करंगिया,सागर,परयागी आदि गायन शैलियों में बोली बानी और भाषाई अनुबंधों के साथ उतर भारतीय क्षेत्र में भी अपनी पहचान बनाई। मध्यप्रदेश के प्रमुख कथागीत के रुप में मंचों पर ख्याति अर्जित कर पन्ना,छतरपुर,

झांसी,हमीरपुर,दंतिया,जालौन से होते हुए पूरे भारत में आल्हा ने मंचों पर धाक जमाई। उत्तर प्रदेश के पश्चिम,पूर्वी भाग –कन्नौज से लेकर आजमगढ़, बलिया,गाजीपुर,बनारस आदि जनपदों में भी गहरी पैठ बनाई। विशेष रूप में बरखा बहार में गांव–गांव,चौपालों में कभी सुनाई पड़ने वाली आल्हा की गूंज अब धीरे–धीरे मन्द पड़ती जा रही है। बदलते दौर में जहां विचित्र गीतों की भरमार बढ़ती जा रही है ऐसे में अपने आल्हा गायन के लोकरंग को जीवन्त रखना लोककलाकारों की एक बड़ी पहल और नैतिक जिम्मेदारी भी है।

अपने अद्भुत लोक लालित्य के साथ बुंदेली माटी में अंकुरित हुए आल्हा के केन्द्र और परिधि में चंदेल और चौहान वंशी राजघरानों के बीच शौर्य,पराक्रम,पुरुषार्थ एवं शक्ति वर्चस्व की होड़ सम्बन्धी कथानकों के गायन रूपान्तर समाहित हुआ। मुख्य रूप से आल्हा–ऊदल के वीरता की लोकगाथा हीआल्हा गायन के केन्द्र में रची–बसी। पृथ्वीराज,करिंगा, चौड़ा,सैय्यद, इंदल,जोगा भोगा,बेलवा,मलखान,मल्हनाआदि विशेष पात्र के रुप में चर्चित हुए। रोमांचपूर्ण आल्हा गायन के बीच छल,कपट,चुगली,बैर,विस्वास घात,धोखा जैसे शब्द साकार हुए तो वहीं आन,मान,शान के वर्चस्व में धर्म और अधर्म की कठिन परीक्षा में जूझते पात्रों के बीच बल पौरुष का कड़ा इम्तिहान,इस लोक गायन की विशेष पहचान बना। महाकवि जगनिक ने आल्हा को एक नई जमीन देते हुए अन्य कवियों को भी लेखन के प्रति जागरूक किया। आल्हा गायन की गर्बीला जैसी अनूठी शैली को लेकर कई नामचीन आल्हा गायकों ने दूर–दूर तक ख्याति अर्जित की। जिनमें प्रमुख रूप से महोबा के बंशगोपाल,उन्नाव

के आल्हा सम्राट लल्लू वाजपेई, गोण्डा के रामशबद चौधरी, सहीराम पाण्डेय,सागर की प्रेमरानी पटेल, जौनपुर के फौजदार सिंह,

फतेहपुर के देशराज यादव,बांदा के प्रेमनारायण यादव जैसे कई लोकगायकों

को आल्हा गायन में बड़ी प्रसिद्धि मिली।

मां शारदा के वरदानी आल्हा,ऊदल के पराक्रम को विभिन्न प्रसंगों से जोड़कर अपनी साजो आवाज के चलते आल्हा गायकों ने विभिन्न शैलियों में आल्हा की प्रस्तुतियों से इसको बड़ा कैनवास दिया।

सुमिरन कइके मातु शारदा,लै बजरंग बली कै नाउं...... बड़े लडैघ्या मोहबे वाले,

जेहिकै शान बरनि ना जाय. ..खटखटखटखट त्यागा ब्वालै,छपकि छपकि–छपकै तलवारि.. बरिस अठारह क्षत्रिय जीवैं,आगे जियबै कौ धिक्कार... हाथी उछरि लड़इ हाथिन से,घ्वाड़न पै घ्वाड़न कय टाप.......

जैसे आल्हा के बोल बहुचर्चित हुए। बेलवा का बियाह,माडौघ्गढ़ की चढ़ाई, कजरी पूजन जैसे प्रसंगों में संग्राम की अद्भुत शौर्य गाथा का बखान करते गायकों की प्रस्तुतियां जन–मन को रोमांचित करतीं। नौटंकी और लोकनाट्यों के मंचन के साथ साथ बिरहा लोककलाकारों और भोजपुरी लोकसंगीत में भी आल्हा ने काफी अच्छी पैठ बनाई। कालान्तर में तमाम नये गायकों ने रामायण, महाभारत के विविध प्रसंगों समेत तमाम ऐतिहासिक स्मृतियों को भी रागी तर्ज में रूपांतरित कर आल्हा गायन को एक अलग रंग दिया। मुख्य रूप से बरखा बहार में आल्हा गायन की परम्परा काफी प्रचलित रही।

कभी गांव गांव चौपालों में आल्हा के जबाबी दंगल के आयोजनों में लोगों का मजमा लग जाता। श्रोताओं में एक अलग ललक बनी रहती।अल्हयितों का बखान और उनके मान–सम्मान में समाज के लोग लालायित रहते। ढोलक की अनूठी थाप पर आल्हा की गूंज से घर आंगन खेत सिवान गूंज उठते थे। आज के बदलते दौर में शायद अब पहले जैसी रंगत नहीं दिख रही।

हमारी नई पीढ़ी के लोककलाकारों को अपने इस गायन को संजीदगी के साथ आगे बढ़ाने की जरूरत है।साथ ही गांव–गांव चौपालों में अपने आल्हा गायन की परम्परा को जीवंत रख अपने पुरखों की इस विरासत को सहेजना बहुत जरूरी है।

प्रयागराज में 400 करोड़ की ठगी, ईडी करेगी जांच

एफआईआर कराने वाले वकील को बुलायाय बड़े निवेशकों की लिस्ट तैयार

प्रयागराज। प्रयागराज में 400 करोड़ रुपए की ठगी का मामला अब पुलिस की जांच से होता हुआ ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) तक पहुंच गया है। रियल एस्टेट और शेयर मार्केट में इनवेस्ट कराने के नाम पर करोड़ों का खेल हुआ। प्रयागराज, लखनऊ, नोएडा समेत अन्य शहरों मे ब्रांच खुली, अकाउंट खोले गए। अब जब 400 करोड़ के फ्रॉड की गूंज हर तरह पहुंचने लगी तो ईडी ने अपनी कार्रवाई शुरू कर दी। अभी तक निहारिका वेंचस लिमिटेड कंपनी के एमडी अभिषेक द्विवेदी, उनकी पत्नी निहारिका की मुश्किलें बढ़ी थी। अब कंपनी से जुड़े इन्वेस्टरों पर ईडी ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। पुलिस सूत्र बताते हैं कि मनी लॉडिंग के शक, आय और टैक्स चोरी, ब्याज की कहानी 400 करोड़ में नजर आने लगी, ऐसे में ईडी ने पहले तो पुलिस अधिकारियों, जांट टीमों से पूरा डाटा हासिल किया। फिर कई बिंदुओं पर पुलिस ने रिपोर्ट कलेक्ट की। इसके बाद महाठग कंपनी में इनवेस्ट करने वाले हाईप्रोफाइल लोगों को नोटिस जारी करना शुरू कर दिया है।

कंपनी में 4500 से ज्यादा बड़े इनवेस्टर हैं

अब तक की जांच से साफ हुआ है कि इस कंपनी में 4500 से ज्यादा बड़े इनवेस्टर हैं। हालांकि बहुत सारों ने रुपए

एक नंबर यानि बैंक एकाउंट के जरिए रकम लगाई। इसके बाद भी बहुत सारे निवेशक ऐसे बच रहे हैं जो कंपनी में रुपए लगाए जा रहे थे। उन्हीं की जांच पर ईडी का फोकस आ रहा है। ऐसे निवेशक सामने कम आ रहे हैं लेकिन कंपनी के दस्तावेज, डाटा कनेक्शन और पूछताछ में उनके बारे में जानकारी मिली है। बताते हैं कि एक साथ कई करोड़ रुपए कंपनी में इनवेस्ट करने वाले करीब 15 बड़े वकीलों, 21 से अधिक बड़े डॉक्टरों, 37 के करीब कारोबारियों, कई अफसरों, रिटायर्ड अफसरों की सूची ईडी ने बनाई है। अब सभी का डाटा कलेक्शन कर निहारिका वेंचर्स कंपनी से दस्तावेज हासिल किए हैं। अब बारी बारी ईडी नोटिस जारी कर जवाब मांगेगी। हालांकि इस संबंध में पुलिस अधिकारी और ईडी अधिकारी कुछ भी बोलने को तैयार नहीं हैं।

क्या कहते हैं रिपोर्ट दर्ज कराने वाले कौशल सिंह

400 करोड़ रुपए की ठगी के मामले में एफआईआर कराने वाले हाईकोर्ट के वकील कौशल कुमार सिंह का कहना है कि ईडी ने उन्हें नोटिस जारी कर बुलाया था। ठगी के पूरे मामले की जानकारी ली। रुपए कंपनी में कैसे गए। इनवेस्टर के बारे में पूछा गया। साथ ही निहारिका वेंचर्स की प्रॉपर्टी, अभिषेक, निहारिका के नाम की प्रॉपर्टी की डिटेल ली गई।

17 घंटे की रिमांड में खुले थे कई राज

400 करोड़ की ठगी कर प्रदेश के हाई प्रोफाइल लोगों को चूना लगाने वाला कंपनी के एमडी अभिषेक द्विवेदी को प्रयागराज पुलिस ने 17 घंटे की रिमांड पर लिया था। इसी में कई राज खुले हैं। शिवकुटी थाने की पुलिस ने अभिषेक द्विवेदी को नैनी सेंट्रल जेल से रिमांड पर लेने के बाद आवास पर ले गई थी। तभी अभिषेक ने बताया था कि उसकी पत्नी निहारिका अस्पताल में है। उसे बेटा हुआ है। बैंक खातों के साथ ही कंपनी से जुड़े दस्तावेज भी सामने आए थे।

22 जुलाई को पानीपत से पकड़ा गया था एमडी

प्रयागराज पुलिस ने डेढ़ महीने से फरार चल रहे 400 करोड़ की ठगी के आरोपी अभिषेक द्विवेदी को 22 जुलाई को गिरफ्तार किया था। अभी उसकी पत्नी निहारिका फरार है। हरियाणा के पानीपत से गिरफ्तार निहारिका वेंचर्स के एमडी और उसके दोस्त को प्रयागराज लाया गया था। उस समय पूछताछ में साफ हुआ था कि इन्वेस्टमेंट कंपनी चला रहे पति–पत्नी ने प्रयागराज के कई बड़े वकीलों और डॉक्टरों के करीब 15–15 करोड़ रुपए इन्वेस्ट करवा रखे हैं।

एक लाख पर 7 हजार रुपए महीना देता था ब्याज

एक लाख पर सात हजार रुपए प्रतिमाह देने का वादा कर अभिषेक प्रयागराज समेत कई शहरों के कारोबारियों, वकीलों, डॉक्टरों, अधिकारियों को कंपनी से जोड़कर उन्हें लाभ देने लगा था। फरार होने से पहले अभिषेक ने लोगों को करोड़ों रुपए के चेक दिए थे। हालांकि बहुत सारे चेक बाउंस हो गए। रसूखदार लोगों के करोड़ों रुपए डूबने से खलबली मची है। मामला हाईकोर्ट में भी पहुंच गया है।

अपनी संपत्ति चोरी–छिपे बेच न दे, पुलिस अलर्ट

एमडी अभिषेक द्विवेदी और उसकी पत्नी निहारिका पर शिकंजा कसने के बाद से पुलिस अलर्ट हो गई है। अभिषेक और निहारिका की करोड़ों की संपत्ति का पुलिस ने पता लगाया है। यह संपत्ति ठगी के रुपए से बनाई गई। ऐसे में फरारी के दौरान एमडी और उसकी पत्नी ने अपनी चल–अचल संपत्ति चोरी–छिपे बेचना न बेच दे, इसे लेकर पुलिस अलर्ट है। प्रयागराज कमिश्नरेट पुलिस ने प्रयागराज के अलावा लखनऊ, दिल्ली, नोएडा, कौशांबी, प्रतापगढ़ जिलों के पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को सूचनाएं भेजी हैं।

प्रयागराज, लखनऊ, दिल्ली, नोएडा में 14 खाते फ्रीज

400 करोड़ की ठगी के मामले में निहारिका वेंचर्स लिमिटेड, एमडी अभिषेक और फरार निहारिका के नामों से खुले 14 खातों को पुलिस ने फ्रीज करा दिया है। ये अकाउंट प्रयागराज, लखनऊ, नोएडा और दिल्ली आदि में हैं।

प्रयागराज में जाम झेल रहे लोग

शहर के साथ ही गंगापार, यमुनापार में वाहनों की लंबी लाइन, स्कूली बच्चे हलाकान

प्रयागराज। प्रयागराज में इन दिनों जाम का झाम बढ़ता ही

जा रहा है। शहर में स्कूल छूटने के वक्त कई इलाकों में भीषण जाम के हालात हो जाते हैं। वाहनों की लंबी कतार के बीच स्कूली रिक्शा, ट्रोली, वैन, बस एक से दो घंटे तक जाम में फंस रही हैं। जाम में फंस स्कूली बच्चे परेशान हो रहे हैं। ऐसा कई दिनों से हो रहा है। बारिश के दौरान और हालात बदतर हो जाते हैं। शहर में सिविल लाइंस में भी कई मार्गों पर जाम के झाम से लोगों को जूझना पड़ रहा है। नवाब यूसुफ रोड, हाईकोर्ट पानी की टंकी, गर्ल्स हाईस्कूल रोड,एसएमसी रोड, हनुमान मंदिर चौराहा, रामबाग, मुट्ठीगंज, कोठा पारचा, जानसेनगंज, निरंजन सिनेमा चौराहा, बाई का बाग, बैरहना, दारागंज, आलोपीबाग, ध ूमनगंज के इलाकों में भीषण जाम से लोग परेशान हो रहे हैं। इसी तरह गंगा पार और यमुना पार इलाकों में वाहनों की लंबी कतार लग रही है। नया यमुना पुल हो या फिर नैनी से घूरपुर रींवा रोड आए दिन जाम के हालात बन रहे हैं। इसी प्रकार गंगापार इलाके में झूंसी, सराय इनायत, हंडिया मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग रही है। हालांकि गंगा पार के झूंसी इलाके से लेकर वाराणसी तक एक लेन कावंड़ यात्रा के लिए छोड़ दी गई है। एक लेन पर ही वाहनों का आवागमन हो रहा है। यही वजह है कि यहां हर रोज जाम लगना मजबूरी है।

एसआरएन में आज भी डॉक्टरों की हड़ताल स्ट्रेचर पर ही लेटे रहे मरीज, नहीं बना पर्चा

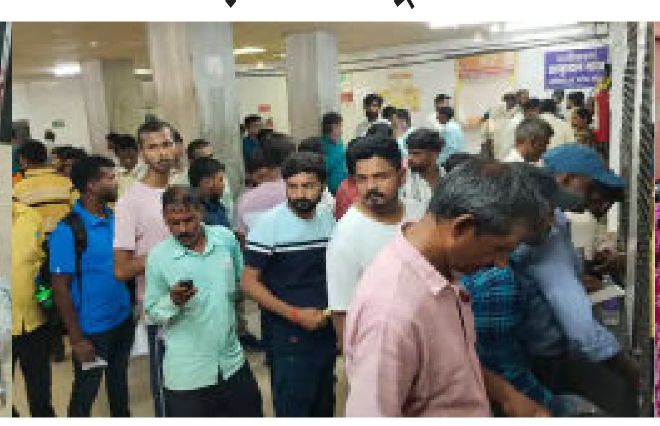

प्रयागराज। कोलकाता में लेडी डॉक्टर के साथ रेप और फिर हत्या के बाद मेडिकल कॉलेज के रेजिडेंट डॉक्टर हड़ताल पर चले गए हैं। प्रयागराज के स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में भी रेजिडेंट डॉक्टर ओपीडी छोड़कर बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। कल सोमवार को मरीज जानकारी न होने के कारण सुबह ही अस्पताल पहुंच गए, जल्दी आने वाले कुछ मरीजों का पर्चा तो बन गया लेकिन वह भी डॉक्टर को नहीं दिखा सके। एक तरफ जहां डॉक्टर बाहर प्रदर्शन और नारेबाजी कर रहे तो दूसरी ओर अंदर उनकी ओपीडी के बाहर मरीज दर्द से कराहते मिले। आज दूसरे दिन मंगलवार को भी डॉक्टर हड़ताल पर हैं। डॉक्टरों की मांग है कि सरकार उनकी सुरक्षा के लिए कड़े कानून लाए और कोलकाता में लेडी डॉक्टर के साथ हुई घटना की सीबीआई जांच कराई जाए। जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन के प्रेसीडेंट डॉ. सचिन कुमार ने बताया कि मंगलवार को भी हड़ताल जारी रहेगा। लेकिन इमरजेंसी सेवाएं जारी रहेंगी।

टीचरों की अंतःजनपदीय समायोजन की प्रक्रिया शुरू

इलाहाबाद हाईकोर्ट से रोक हटने के बाद बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव ने जारी किया संशोधित कार्यक्रम

प्रयागराज। बेसिक शिक्षा परिषद के टीचरों के अंतःजनपदीय समायोजनध्स्थानांतरण की प्रक्रिया आज (13 अगस्त) से शुरू होगी। इलाहाबाद हाईकोर्ट से रोक हटने के बाद बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव की ओर से संशोधित कार्यक्रम जारी कर दिया

गया है। दरअसल, यह प्रक्रिया 2 जुलाई से शुरू हुई थी, लेकिन कई शिक्षक इसके विरोध में इलाहाबाद हाईकोर्ट चले गए, इस याचिका पर सुनवाई के चलते हाईकोर्ट ने प्रक्रिया रोक दी थी।

सचिव ने सभी ठे। को भेजे पत्र

इस संबंध में सचिव की ओर से प्रदेश के सभी जनपदों के बीएसए को पत्र भी भेज दिया गया है। इसमें कहा गया है कि अध्ि ाक अध्यापक संख्या वाले विद्यालयों एवं अध्यापक की आवश्यकता वाले विद्यालयों का चिह्नांकन तथा अधिक संख्या वाले चिह्नित विद्यालयों में मानक से अधिक शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की गणना की जानी है। यह गणना उनकी जनपद में सेवावधि के आधार पर क्रमानुसार चिह्नित कर की जाएगी। यह बुधवार तक पूरी की जानी है। इसके बाद आवश्यकता वाले विद्यालयों की सूची तथा सरप्लस शिक्षकों की सूची बीएसए के लागिन पर प्रदर्शित करने तथा परीक्षण के बाद डाटा अंतिम रूप से लॉक करने की प्रक्रिया 16 से 17 अगस्त के बीच पूरी की जाएगी।

20 से 22 अगस्त तक आपत्ति का समयः लॉक किए गए डाटा को बीएसए कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा करने तथा सरप्लस शिक्षक व शिक्षिकाओं दवारा आपत्ति प्रस्तुत करने के लिए 20 से 22 अगस्त तक का समय दिया गया है। समिति के माध्यम से आपत्तियों का निस्तारण बीएसए 23 से 24 अगस्त के मध्य कराएंगे। आपत्ति निस्तारण के बाद मानव संपदा पोर्टल पर विवरण अपडेट करने की कार्यवाही 26 से 27 अगस्त के बीच की जानी है।

25 विद्यालयों का विकल्प भरेंगे शिक्षक : अधिक अध्यापक वाले विद्यालयों में चिह्नित शिक्षक स्वेच्छा से आवश्यकता वाले 25 विद्यालयों का विकल्प 30 अगस्त से दो सितंबर के मध्य आनलाइन भरेंगे। चार से सात सितंबर तक एनआइसी द्वारा विकसित साफ्टवेयर के माध्यम से अधिक अध्यापक वाले विद्यालयों में चिह्नित शिक्षकों से प्राप्त विकल्प के आधार पर समायोजन की सूची जारी की जाएगी। शेष बचे सरप्लस शिक्षकों को सेवावधि के आधार पर आरोही क्रम में तथा शेष अन्य बचे अध्यापक की आवश्यकता वाले विद्यालय में नियमानुसार सूचीबद्ध करने की कार्यवाही की जाएगी। शेष बचे सरप्लस शिक्षकों के समायोजन की सूची 11 सितंबर को जारी की जाएगी।

कूड़ा बीनने वाले ने उड़ाए लाखों के गहने

प्रयागराज में शिक्षिका के घर चोरी करने वाला अरेस्ट, गहने और कैश बरामद

प्रयागराज। प्रयागराज पुलिस ने एक ऐसे शातिर चोर को अरेस्ट किया है, जो पॉश इलाकों में कूड़ा बीनने के बहाने रेकी करता था। वह बड़े मकानों की ताड़ में रहता था। जब देख लेता था कि परिवार के लोग कहीं चले गए तो अंदर घुस चोरी करता था। शिक्षक के घर से पांच लाख के गहने और कैश उड़ाने वाले युवक को पुलिस ने सीसीटीवी की मदद और पूछताछ के बाद पकड़ लिया। उसके पास से गहना, कैश बरामद हो गया। नैनी कोतवाली क्षेत्र के चकभटाही इलाके में रहने वाले अमित यादव के घर लाखों की चोरी हुई थी। अमित की पत्नी शिक्षिका हैं। उन्होंने 11 अगस्त को नैनी कोतवाली में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। 24 घंटे बाद ही पुलिस ने चोर का पता लगा लिया।

ताड़ता था कि कौन सा घर खाली

नैनी पुलिस ने चोरी का खुलासा करते हुए अन्नू पुत्र भगवती निवासी धैकारबस्ती नई बस्ती थाना कीडगंज, हाल पता सब्जी मण्डी नी को अरेस्ट कर लिया। अन्नू ने पूछताछ में बताया कि उसने ही कई दिनों तक शिक्षिका के घर की रेकी की थी। जब उसे कंफर्म हो गया कि दोपहर में परिवार का कोई भी सदस्य घर में नहीं रहता तो उसने योजना बनाई और कूड़ा बीनने के बहाने वहां टहलता रहा। अंत में दीवार फांद अंदर पहुंचा और आलमारी, लॉकर का ताला तोड़ दिया। अमित ने इसी तरीके से कई और चोरियों की बात कबूल की है। आरोपित अन्नू पर नैनी व कीडगंज मे आधा दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं।

क्या क्या हुआ बरामद

शातिर अन्नू के कब्जे से चोरी की हुई 08 अंगूठी, 01 जोड़ी कंगन, 11 कान के टप्स, 01 जोड़ी झुमका, 03 नाक का कील, 01 नथिया, 01 मांगटीका, 04 चेन, 02 हार, 03 मंगरसूत्र, 02 चेन लाकेट लगा हुआ, 01 कमर पेटी समेंत अन्य आभूषण जिसकी कीमत लाखों में है एवं 4850 रूपए नकदी बरामद किया गया।

धार्मिक स्वतंत्रता की आजादी, धर्म परिवर्तन कराने की नहीं

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जबरन इस्लाम कबूल करवाने के आरोपी की जमानत खारिज की

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जबरन इस्लाम कबूल कराने और यौन शोषण करने के आरोपी की जमानत खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि उत्तर

प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021 का उद्देश्य सभी व्यक्तियों को धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी देना है, जो भारत की सामाजिक सद्भावना को दर्शाता है। इस अधिनियम का उद्देश्य भारत में धर्मनिरपेक्षता की भावना को बनाए रखना है। जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल की पीठ ने आगे कहा कि संविध ाान प्रत्येक व्यक्ति को अपने धर्म को मानने, उसका पालन करने और उसका प्रचार करने का अधिकार देता है। लेकिन यह व्यक्तिगत अधिकार धर्म परिवर्तन कराने के सामूहिक अधिकार में तब्दील नहीं होता। क्योंकि ध ाार्मिक स्वतंत्रता धर्म परिवर्तन करने वाले व्यक्ति और धर्मांतरित होने वाले व्यक्ति दोनों को समान रूप से प्राप्त होती है।

शौन शोषण करने का आरोप भी : हाईकोर्ट ने ये टिप्पणी अजीम नामक व्यक्ति को जमानत देने से इनकार करते हुए की। याची अजीम पर एक लड़की को जबरन इस्लाम कबूल कराने और उसका यौन शोषण करने के आरोप में धारा 323ध्504ध्506 आईपीसी और ध ाारा 3ध्5(1) उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021 के तहत मामला दर्ज किया गया है। आवेदक–आरोपी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दावा किया कि उसे झूठा फंसाया गया है। उसने दावा किया कि सूचना देने वाली लड़की, जो उसके साथ रिश्ते में थी, स्वेच्छा से अपना घर छोड़कर चली गई थी। और उसने पहले ही संबंधि ात मामले में धारा 161 और 164 सीआरपीसी के तहत दर्ज बयानों में अपनी शादी की पुष्टि कर दी थी। दूसरी ओर सरकारी वकील ने उसकी जमानत का विरोध करते हुए धारा 164 सीआरपीसी के तहत सूचना देने वाले के बयान का हवाला दिया, जिसमें इस्लाम में धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डालने का आरोप लगाया गया था और धर्म परिवर्तन के बिना की गई शादी का वर्णन किया गया था। इन तथ्यों की पृष्ठभूमि में, न्यायालय ने उल्लेख किया कि सूचना देने वाले ने धारा 164 सीआरपीसी के तहत दर्ज अपने बयान में स्पष्ट रूप से कहा था कि याची और उसके परिवार के सदस्य उसे इस्लाम स्वीकार करने के लिए मजबूर कर रहे थे। उसे बकरीद के दिन की जा रही पशु बलि देखने और मांसाहारी भोजन पकाने और खाने के लिए भी मजबूर किया गया था।

इस्लामी अनुष्ठान करने के लिए मजबूर किया

अदालत ने यह भी कहा कि आवेदक ने उसे कथित तौर पर बंदी बनाकर रखा था और उसके परिवार के सदस्यों ने उसे कुछ इस्लामी अनुष्ठान करने के लिए मजबूर किया था, जो उसे स्वीकार्य नहीं था। इसके अलावा, न्यायालय ने आगे माना कि उसने धारा 164 सीआरपीसी के तहत दर्ज अपने बयान में एफआईआर के वर्जन को बरकरार रखा था।

महत्वपूर्ण रूप से, न्यायालय ने यह भी माना कि याची यह प्रदर्शित करने के लिए कोई भी सामग्री रिकॉर्ड पर नहीं ला सका कि विवाहध्निकाह होने से पहले सूचना लड़की को इस्लाम में परिवर्तित करने के लिए 2021 के अधिनियम की धारा 8 के तहत एक आवेदन दायर किया गया था, जैसा कि उसके और सूचनाकर्ता के बीच आरोप लगाया गया है। कोर्ट तथ्यों व परिस्थितियों को देखने के बाद याची की जमानत अर्जी को यह कहते हुए खारिज कर दिया गया कि 2021 के अधिनियम की धारा 3 और 8 का प्रथम दृष्टया उल्लंघन है, जो 2021 के अधिनियम की धारा 5 के तहत दंडनीय है।

विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

गाड़ी सं.	स्टेशन से स्टेशन तक	संचालन का दिन	पूर्व में सूचित तिथि	संचालन की विस्तारित तिथि
03483	भागलपुर-नई दिल्ली	शनिवार, मंगलवार	13.08.2024	17.08.2024 से 31.08.2024 तक
03484	नई दिल्ली-भागलपुर	रविवार, बुधवार	14.08.2024	18.08.2024 से 01.09.2024 तक
03413	मालदा टाउन -नई दिल्ली	रविवार, गुरुवार	11.08.2024	15.08.2024 से 29.08.2024 तक
03414	नई दिल्ली-मालदा टाउन	सोमवार, शुक्रवार	12.08.2024	16.08.2024 से 30.08.2024 तक
05734	कटिहार-अमृतसर	गुरुवार	----	22.08.2024 से 12.09.2024 तक
05733	अमृतसर-कटिहार	शनिवार	----	24.08.2024 से 14.09.2024 तक
02525	कामाख्या-आनन्द विहार(ट.)	शुक्रवार	----	16.08.2024 से 06.09.2024 तक
02526	आनन्द विहार(ट.)-कामाख्या	रविवार	----	18.08.2024 से 08.09.2024 तक

नोटः- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे 1450/24(A)

www.ncr.indianrailways.gov.in | North central railways

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्याः 10/2024 दिनांकः 09.08.2024

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि मंडल सामग्री प्रबंधक, उ0म0रे0, प्रयागराज निम्नलिखित मदों के लिये ई-प्रापण निविदा आमंत्रित करते हैं।

निविदा सं..: 19246095	मात्रा : 693 Nos.
विवरणः 05 वाट वीएचएफ डिजिटल वॉकी टॉकी सेट	
निविदा खोलने की तिथि : 02.09.2024	ई.एम.डी. (रू.) : ₹ 3,56,530/-

नोटः- (1) उपरोक्त सभी ई प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। (2) उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारूप मे बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। टेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको IT Act 2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class III Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय भार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न हैं तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। (4) संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र हस्ताक्षरित होने चाहिये। उपरोक्त निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट https://www.ncr.indianrailways.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1426/24(A)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in

टोल प्लाजा से गुजरने वाले हर भार वाहनों की तौल जरूरीः डॉ.पाण्डेय

भारी मालवाहकों के माप तौल न होने से फल फूल रहा अवैध धंधा

जान बूझकर वेइंग मशीन की गई है खराब

करछना। प्रयागराज मिर्जापुर मार्ग पर क्षेत्र के मुंगारी स्थित टोल प्लाजा में वेइंग मशीन जानबूझकर कई वर्षों से खराब कर दी गई है। इसके चलते टोल से गुजरने वाले भार वाहनों की तौल नहीं हो रही और ओवरलोडिंग का धन्धा लगातार फल–फूल रहा है।यह बातें रामपुर में जमुनापार जागृति मिशन की एक बैठक के दौरान संयोजक डॉ.भगवत पांडेय ने कहीं ।उन्होंने कहा कि इसे लेकर अपर जिलाधिकारी नगर,मदन कुमार और एन.एच. के जिम्मेदार अधिकारियों से भी वार्ता किए जाने पर चिंता व्यक्त की।मिशन के लोगों ने कहा कि बीते 4 वर्षों से जानबूझकर मशीन खराब कर दी गई है जिसके चलते यहां से गुजरने वाले भारी वाहन बिना माप तौल गुजर रहे हैं।उधर पचदेवरा ओवर ब्रिज पर लगे हाइट गेज की तरह पुल के पूर्व कोहड़ार पुलिस चौकी के समीप भी शीघ्र ही हाइट गेज लगाया जाना जरूरी है जिसके चलते कोहडाघ्र– रामपुर मार्ग से ओवरलोडिंग और भारी वाहनों की आवा जाही पर रोक लग सके और आए दिन लोग गम्भीर जाम की समस्या से निजात पा सकें।मिशन के लोगों ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि बीते कुछ दिनों में भारी वाहनों की आवागमन के चलते जहां एक ओर जगह–जगह सड़क टूट कर जर्जर हो गई है वहीं इसके चलते कई लोगों की मौत भी हो चुकी है। लोगों ने कहा कि टोल प्लाजा पर तौल मशीन तत्काल चालू कराई जानी चाहिए। एक मौके पर क्षेत्रीय समाजसेवी,प्रबुद्वजन एवं मिशन के लोग मौजूद रहे।

संवेदनशील व्यवस्था बनाने के साथ ही दोषियों पर कार्रवाई भी जरूरी, मायावती ने दी सरकार को सलाह

लखनऊ, एजेंसी। कोलकाता में डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या की घटना के बाद देशभर में विरोध प्रदर्शन हो रहा है। डॉक्टरों ने कार्य बहिष्कार कर विरोध प्रदर्शन किया है और हड़ताल पर बैठे है। इस मामले पर बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। बसपा प्रमुख ने घटना पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि यह घटना बेहद दुखद और शर्मनाक है। साथ ही उन्होंने कहा है कि संवेदनशील व्यवस्था बनाने के साथ ही दोषियों पर कार्रवाई भी जरूरी है। बसपा प्रमुख मायावती ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर लिखा, सरकारी, गैर–सरकारी या जीवन के अन्य किसी भी क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं की सुरक्षा व सम्मान आदि से जुड़ा यह अति–महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दा है जिसको लेकर सभी को जागरूक व सतर्क रहने की जरूरत है, ताकि बंगाल की लेडी डाक्टर जैसी अति–दुखद व शर्मनाक घटनाएं न होने पाएं। मायावती ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि देश भर में होने वाली ऐसी जघन्य घटनाओं की रोकथाम के लिए केन्द्र व राज्य सरकारों को हर स्तर पर समुचित संवेदनशील व्यवस्था करने के साथ–साथ दोषियों के खिलाफ सख्त त्वरित कार्रवाई भी बहुत जरूरी है। बता दें कि कोलकाता में एक ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए बलात्कार और हत्या की घटना के विरोध में डॉक्टरों का आक्रोश बढ़ रहा है।

लड़के की चाहत ने बनाया बच्चा चोर

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ रेलवे स्टेशन से बच्चा चोरी होने के मामले में जीआरपी पुलिस ने आरोपी महिला को धर दबोचा है। 6 महीने के मासूम को पुलिस ने बाराबंकी कोठी थाना क्षेत्र से बरामद किया है। बच्चा कोठी थाना क्षेत्र निवासी महिला के पास था। चोर महिला को गिरफ्तार और बच्चे को बरामद करने वाली टीम का नेतृत्व सीओ जीआरपी विकास पांडेय कर रहे थे। जानकारी के मुताबिक बच्चे के पिता अनूप जायसवाल महिगांव इटौंजा के रहने वाले हैं। जो कि पत्नी कंचन और अपने 6 महीने के बेटे शनि के साथ उन्नाव से 11 अगस्त को लखनऊ आए थे। शाम 5.30 बजे वह उन्नाव जाने के लिए रेलवे स्टेशन पहुंचे। अनूप यहां पत्नी और बच्चे को बैठाकर किसी परिचित से मिलने चले गए। बच्चा मां के साथ खेल रहा था। तभी आरोपी महिला उसके पास पहुंची। उसने बच्चे को गोद में ले लिया। जीआरपी को पूछताछ करने के बाद पता चला कि आरोपी महिला नीता बिहार की रहने वाली है और उसकी तीन बेटियां हैं। उसने कबूल किया है कि बेटे की चाहत में लड़के की चोरी की थी। पूछताछ में सामने आया कि अनूप जब बच्चा लेकर लखनऊ चला आया था, तो उसकी सास ने कहा कि बच्चा हमें देकर चले जाओ। इसी वजह से पति–पत्नी बच्चे को लेकर लखनऊ के चारबाग स्टेशन पर ही रुक गए थे। लेकिन अनूप के पास में टिकट खरीदने के लिए रुपए नहीं थे। इसलिए पत्नी और बच्चे को स्टेशन पर छोड़ने के बाद वह रुपये की व्यवस्था करने अपने दोस्त के पास चला गया था। इस बीच बच्चा चोरी हो गया।

15 अगस्त की परेड का फुल ड्रेस रिहर्सल, सीएमके आगमन से लेकर कार्यक्रम समाप्ति तक सब कुछ ब्रीफ

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में मंगलवार को 78वें स्वतंत्रता दिवस पर निकलने वाले परेड की फुल ड्रेस रिहर्सल हुई। इस मौके पर मंडल आयुक्त रोशन जैकब, जिलाधिकारी सूर्य पाल गंगवार समेत शासन–प्रशासन के तमाम अधिकारी उपस्थित रहे। 15 अगस्त की परेड में हिस्सा लेने वाले विभिन्न स्कूलों और कॉलेज के छात्रों को फुल ड्रेस में कई बार अभ्यास कराया गया। फुल ड्रेस रिहर्सल में मिलिट्री और पुलिस के जवानों ने राष्ट्रीय गान के धुन को बेहतर तरीके से प्रस्तुत करने के लिए कई बार अभ्यास किया।

महाकुंभी दोहे

महाकुंभ की लूट है, लूट सके तो लूट,
फिर पीछे पछताएगा, कुंभ जाएगा फूट।

करवाना है काम जो, कर तू लेट पर लेट,
बढ़ता जाए काम का, तभी भयंकर रेट।

गंगाजल गंदा रहे, कर तू पैसा साफ,
मैया बड़ी दयालु हैं, कर ही देंगी माफ।

नेताजी बहरे हुए, बंद अफसरी नेत्र,
किसके किसके पेट का, कितना बढ़ता क्षेत्र।

चाहे जितना कष्ट हो, जनता रहेगी मौन,
बीत जाएगा कुंभ तो, फिर पूछेगा कौन।

शरत् चन्द्र श्रीवास्तव
सुल्तानपुर भावा, गंगागंज,
प्रयागराज।

चौधरी महादेव प्रसाद डिग्री कॉलेज में मूलभूत सुविधाओं का किया गया निरीक्षण

प्रयागराज।चौधरी महादेव प्रसाद डिग्री कॉलेज, प्रयागराज में नैक के तृतीय चक्र के निरीक्षण के दूसरे दिन दिनांक 13 अगस्त 2024 को तीन सदस्यों की नैक टीम ने महाविद्यालय का दौरा किया। नैक टीम के अंतर्गत प्रोफेसर अविनाश तिवारी, कुलपति, जीवाजी विश्वविद्यालय की अध्यक्षता में प्रोफेसर एन. सेंथिल कुमार, अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई एवं प्रोफेसर संजोय रॉय, अगरतला द्वारा निरीक्षण कार्य किया गया।

इस दौरान नैक की टीम ने महाविद्यालय के तीनों परिसर में स्थित विभिन्न मूलभूत सुविधाओं के निरीक्षण के साथ– साथ आई०क्यू०ए०सी०, एन०सी०सी०, एन०एस०एस०, आरोग्यम, सी०एम०पी० लाइव पोर्टल, बोटेनिकल गार्डन आदि का गहन निरीक्षण किया।

समापन बैठक में नैक टीम ने महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों

के साथ निरीक्षण के दौरान प्राप्त अनुभव साझा किये एवं सुझाव भी प्रदान किये। टीम के अध्यक्ष प्रोफेसर अविनाश तिवारी, कुलपति, जीवाजी विश्वविद्यालय ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि गुरु–शिष्य परंपरा बहुत आवश्यक है। यह परंपरा हमें प्रगति के पथ पर अग्रसर करती है। साथ ही कहा कि बिना संघर्ष के सफलता नहीं मिलती है। उन्होंने सराहना करते हुए कहा कि महाविद्यालय में ऊर्जावान और अनुभवी शिक्षकगण उपलब्ध होने के साथ–साथ साधन संपन्न लैब स्थित है।

सभा में उपस्थित सभी आगंतुकों का धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर सरिता श्रीवास्तव, समन्वयक, आई०क्यू०ए०सी० ने किया।

इस अवसर पर नैक समन्वयक प्रोफेसर बबीता अग्रवाल, सह समन्वयक डॉ गोविंद गौरव, महाविद्यालय उप प्राचार्या प्रोफेसर नीता सिन्हा,आई०क्यू०ए०सी० सदस्य डॉ प्रिया सोनी खरे, डॉ जितेन्द्र कुमार, डॉ संगीता, डॉ अतुल भारद्वाज, डॉ श्वेताभ, डॉ अवधेश तिवारी सहित प्रोफेसर सत्यंवदा सिंह, डॉ रजत श्रीवास्तव, डॉ संजय सिंह, डॉ एस० पी० सिंह, डॉ रुचिका वर्मा, डॉ ज्ञान प्रकाश आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ रितु रघुवंशी ने किया।

ईश्वर शरण में हर घर तिरंगा कार्यक्रम का आयोजन

प्रयागराज। राष्ट्रीय सेवा योजना ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज द्वारा आज हर घर तिरंगा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर आनंद शंकर सिंह ने की।उन्होंने अपने उद्‌बोधन में भारत के स्वाधीनता आंदोलन के नायकों के बलिदान से परिचित कराते हुए अब तक की उपलब्धियां और आजादी के संकल्प हेतु स्वयंसेवकों का आह्वान किया और तिरंगे को नमन करते हुए हर घर तिरंगा कार्यक्रम हेतु शुभकामनाएं दी। महाविद्यालय एनएसएस प्रभारी डॉ अरविंद कुमार मिश्र ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा हर घर तिरंगा कार्यक्रम की शुरुआत 2022 में की गई थी। इस वर्ष 'काकोरी ट्रेन एक्शन एवं हर घर तिरंगा अभियान' का आयोजन 9 से15 अगस्त 2024 तक इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसलिए 13 से 15 अगस्त 2024 तक हम सभी लोग इस कार्यक्रम के अंतर्गत देश के वीर सपूतों एवं उनके बलिदान के प्रति श्रद्धा एवं सम्मान प्रदर्शित करने हेतु स्वयं और अन्य सभी लोगों को तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित करें और तिरंगे के प्रति अपना सम्मान प्रदर्शित करने हेतु वीर सपूतों को शहीदों को श्रद्धांजलि हेतु यह हम सब की एक सच्चे नागरिक रूप में महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इस अवसर पर महाविद्यालय के के चीफ प्रॉक्टर प्रो.मान सिंह, महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ शाइस्ता इरशाद, डॉ अखिलेश त्रिपाठी,राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारीडॉ रुचि गुप्ता डॉ, गायत्री सिंह,डॉ. कृष्ण सिंह, डॉ डॉ शैलेश यादव, डॉ आलोक मिश्र, डॉ रेफाक अहमद एवं सभी इकाइयों के स्वयंसेवक व स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहे और उत्साह पूर्वक हर घर तिरंगा कार्यक्रम में सहभागिता की।

रोटरी प्रयागराज प्लैटिनम ने आयोजित की राखी बनाओ प्रतियोगिता

प्रयागराज। रोटरी प्रयागराज प्लैटिनम ने श्रीनिवासा रामानुजन

पब्लिक स्कूल, सिविल लाइन्स में एक राखी बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें कक्षा नर्सरी से बारहवीं तक के सभी छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों में सृजनात्मकता को बढ़ावा देना और रक्षा बंधन के पर्व को अनोखे ढंग से मनाना था।

रोटरी प्रयागराज प्लैटिनम के अध्यक्ष, रोटेरियन शशांक जैन ने बताया कि प्रतियोगिता के विजेताओं को विशेष पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि बच्चों द्वारा तैयार की गई राखियां रक्षाबंधन के दिन विद्यालय की अध्यापिकाओं और छात्राओं द्वारा सेना के जवानों को बांधी जाएंगी, जिससे बच्चों में देशभक्ति और सम्मान की भावना जागृत होगी।

मीडिया प्रभारी, मनीष गर्ग ने बताया कि इस प्रतियोगिता में बच्चों का उत्साह देखने लायक था। प्रतियोगिता में सभी जाति–धर्म के बच्चे शामिल हुए और उन्होंने बहुत ही सुंदर और रचनात्मक राखियां बनाई।

इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष श्री अपूर्व जी, प्रधानाचार्या मिस मिचगैल, और अन्य अध्यापक–अध्यापिकाएं भी उपस्थित रहे। रोटरी प्रयागराज प्लैटिनम के अध्यक्ष शशांक जैन ने विद्यालय प्रबंधन को इस आयोजन के लिए धन्यवाद दिया और भविष्य में भी ऐसे आयोजनों के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की।

उत्तर मध्य रेलवे कार्मिक विभाग में पुरस्कार वितरण समारोह का हुआ आयोजन

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे, कार्मिक विभाग, मुख्यालय प्रयागराज में दिनाँक 13–08–2024 को अगस्त माह का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी एवं सर्वश्रेष्ठ अनुभाग पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुख्य कार्मिक अधिकारीध्प्रशा. महोदय श्री मुदित चंद्रा उपस्थित रहें। पुरस्कार समारोह में अगस्त माह के सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी का पुरस्कार श्री मुकेश कुमार मीना, कार्यालय अधीक्षकध कैडर (अराज), कार्मिक विभाग, प्रधान कार्यालय को उनके सराहनीय कार्य के लिए प्रदान किया गया। इनके द्वारा 31 जुलाई, 2024 तक मुख्यालय द्वारा नियंत्रित कैडर की HRMS ij Seniority] Cader ID Linking] BOS के शत प्रतिशत कार्य एवं e&SR updatation का 98 प्रतिशत कार्य पूरा करने में योगदान रहा। कार्यालय अधीक्षक 20 प्रतिशत एलडीसीइ कोटा एवं कनिष्ठ लिपिक सह टंकक कैडर में रिक्तियों का आंकलन एक सप्ताह से भी कम समय में इनके द्वारा करवाया गया । इनके द्वारा सिंगल विंडो सेल के मामलों की मोनिटरिंग लगातार की जा रही है। इसके अतिरिक्त इनके द्वारा अन्तर्रेलवेध्मंडलीय स्थानांतरण, पीएफ, अवकाश नगदीकरण, भ्दैै पर वर्ष–2024–25 की एपीआर से सम्बंधित कार्यों के सभी डीलरों को सहयोग, रेलवे बोर्ड से प्राप्त पत्राचारों का समय से निपटान, अनापत्ति, ट्रांजैक्सन इत्यादि स्थापना सम्बन्धी मामलों को समय पर निस्तारण किया गया ।

इसी कड़ी में अगस्त माह के सर्वश्रेष्ठ अनुभाग का पुरस्कार विधि अनुभाग, कार्मिक विभाग, मुख्यालय को प्रदान किया गया। इस अनुभाग के मुख्य विधि सहायक श्री हरिओम उपाध्याय एवं उनके सहकर्मियों को यह पुरस्कार विगत समय में बहुत ही कार्यकुशलता से सभी कार्यों के उत्कृष्ठ निष्पादन हेतु प्रदान किया गया। इस अनुभाग द्वारा राजपत्रित एवं अराजपत्रित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विभागीय न्यायालयीय वादों में त्वरित कारवाही करते हुए नियत समय में माननीय न्यायालय में जबाब दावा एवं अनुपालन शपथ पत्र दाखिल किया जा रहा है। उपरोक्त के साथ–साथ वादों में अधिवक्ता से चर्चा, दस्तावेज उपलब्ध कराना एवं उनकी फीस बिल का निस्तारण समय से किया जाता है। वादों की निगरानी तथा एस.एल.पी. के प्रकरण में आवश्यक पत्रावली को बोर्ड से दिशा–निर्देश लेकर मण्डलोंध यूनिटों को संसूचित भी किया जाता है। इस परिप्रेक्ष्य में विगत वर्षों में विधि अनुभाग की न्यायालयीयवादों में जीत का प्रतिशत 91.80ः रहा। कार्यक्रम का आयोजन कार्मिक विभाग, मुख्यालय के सभी कर्मचारियों के आत्मविश्वाम, रचनात्मकता एवं जिज्ञासा को बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया। इस अवसर पर प्रश्नोतरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सभी कर्मचारियों ने बढ़–चढ़ कर भाग लिया। इस दौरान कार्मिक विभाग, मुख्यालय के समस्त अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

सम्पूर्ण समाधान दिवस पर 'सम्भव' सुनवाई

प्रयागराज। नगर आयुक्त नगर निगम प्रयागराज, श्री चन्द्रमोहन गर्ग द्वारा तथा अपर नगर आयुक्त श्री दीपेन्द्र यादव द्वारा आज दिनांक 13 अगस्त 2024 को जन सुनवाई करते हुए नगर निगम में आये हुए फरियादियों की शिकायतों को सुना गया, जिसमें कुल 27 शिकायतें प्राप्त हुई। जनशिकायतों के अविलम्ब गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण कराये जाने हेतु नगर आयुक्त द्वारा सम्बन्धित अधिकरियों

को आवश्यक दिशा–निर्देश दिये गये, और यह भी निर्देशित किया गया कि गुणवत्ता पूर्ण शिकायतों का निस्तारण में किसी भी प्रकार की शिथिलिता न बरती जाय।

'सम्भव' जन सुनवाई बैठक के दौरान अपर नगर आयुक्त श्री दीपेन्द्र यादव तथा श्री अरविन्द राय, मुख्य कर निर्धारण अधिकरी श्री पी0 के0 द्विवेदी, पर्यावरण अभियन्ता श्री उत्तम वर्मा, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डा0 अभिषेक सिंह, पशुधान अधिकारी डा0 विजय अमृत राज तथा मुख्य अभियन्ता विद्युत श्री संजय कटियार, मुख्य अभियन्ता श्री सतीश कुमार, जलकल महाप्रबंधक श्री गौरव कुमार, लेखाधिकारी अक्षय कुमार समस्त जोनल अधिकारी, अधिशाषी अभियन्ता निर्माण तथा विद्युत, सचिव नगर आयुक्त तथा नगर निगम के अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहें।

संक्षिप्त

महिला कांग्रेस ने काले कपड़े पहनकर किया प्रदर्शन

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में कांग्रेस की महिला कार्यकर्ताओं ने काले कपड़े पहनकर प्रदर्शन किया। ये सभी महिलाएं कांग्रेस मुख्यालय से निकल कर विधानसभा की ओर जा रही थीं। पुलिस ने ट्रिपल लेयर की बैरिकेडिंग लगाकर सभी महिलाओं को रोक दिया। पुलिस द्वारा रोके जाने पर कांग्रेसी महिलाओं ने जमकर भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कांग्रेस नेता ममता चौधरी ने कहा कि एनसीआरबी

का आंकड़ा बता रहा है कि उत्तर प्रदेश में महिलाओं के साथ लगातार अपराध हो रहे हैं।उन्नाव, हाथरस समेत कई ऐसे जनपद हैं, जहां महिलाओं के साथ जघन्य अपराध हुए हैं। पूरे प्रदेश में महिलाओं को कहीं भी इंसाफ नहीं मिल रहा है। न ही वह सुरक्षित महसूस कर रही हैं। बेरोजगारी–महंगाई के कारण बड़ी संख्या में महिलाएं और युवतियां आत्महत्या कर रही हैं। प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने बीजेपी सरकार से 33 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग की है। कांग्रेस नेता ममता चौधरी ने पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदर्शन शुरू होने से पहले महिला कार्यकर्ताओं को हजरतगंज पुलिस ने हिरासत में ले लिया। यह सरासर संविधान के खिलाफ है। जो पार्टी मुख्यालय पर आ रहा था उसे भी हिरासत में लिया गया। लखनऊ पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि पुरुष पुलिस कर्मियों के द्वारा महिलाओं के साथ अभद्रता करते हुए उन्हें पुलिस की गाड़ी में बैठाया गया।

शक्ति भवन पर बेरोजगार युवाओं का जोरदार प्रदर्शन

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में शक्ति भवन पर बिजली विभाग में नौकरी की राह देख रहे बेरोजगार युवाओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। मंगलवार सुबह सैकड़ों की संख्या में पहुंचे युवाओं ने अपनी मांगों को लेकर शक्ति भवन का घेराव किया और जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन कर रहे युवाओं का कहना है कि विद्युत विभाग में जेई, एई और टेक्निकल गेड 2 समेत अन्य टेक्निकल और नॉन टेक्निकल पदों पर भर्तियां पहले विद्युत सेवा आयोग के माध्यम से की जाती थी। लेकिन यूपीपीसीएल की ओर से 7 अगस्त 2024 को एक नोटिस जारी करके ये जानकारी दी गई कि अब सरकार ने उन सभी भर्तियों को उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) और उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीएसएसएससी) के जरिए कराने की तैयारी में हैं। वहीं युवाओं ने यूपीएसएसएससी पर परीक्षाओं को समय पर संपन्न न कराने और सालों तक लंबित करने का आरोप लगाते हुए कहा कि यूपीएसएसएससी आयोग की ओर से कराई गई 30 से ज्यादा भर्तियां अभी भी लंबित हैं। किसी की परीक्षा नहीं हुई तो किसी का रिजल्ट जारी नहीं हुआ। वहीं विद्युत सेवा आयोग की ओर से पूर्व में कराई गईं सभी भर्तियों की समय से परीक्षा हुई है और समय से भर्तियां संपन्न की जाती रही है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि विद्युत विभाग में जूनियर इंजीनियर, असिस्टेंट इंजीनियर, टेक्निकल ग्रेड 2 समेत विद्युत् विभाग की अन्य भर्तियों को पहले की तरह विद्युत सेवा आयोग के माध्यम से ही कराई जाए। साथ ही उन्होंने परीक्षा को ऑफलाइन माध्यम से भी कराने की मांग की। इसके अलावा प्रदर्शन कर रहे युवाओं ने कहा कि अगर उनकी मांगें पूरी नहीं हुई तो ऐसे ही बड़ा आंदोलन करके जब तक मांगे पूरी नहीं होगी तब तक सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे।

कोलकाता में डॉक्टर रेप–मर्डर केस, रेजिडेंट डॉक्टरों में जबरदस्त आक्रोश, लोहिया संस्थान में इलाज ठप

लखनऊ, एजेंसी। कोलकाता की रेजिडेंट डॉक्टर की रेप और मर्डर की घटना से डाक्टरों में आक्रोश है। केजीएमयू के रेजीडेंट डॉक्टरों ने आज मंगलवार को ओपीडी में पहुंचकर प्रदर्शन किया है। इसके साथ ही उन्होंने वहां मरीजों को इलाज दे रहे डॉक्टरों से भी प्रदर्शन में शामिल होने के लिए कहा। रेजिडेंट डॉक्टर ओपीडी के मुख्य गेट पर बैठ गए हैं। इसके बाद ओपीडी में मरीज ओपीडी में नहीं पहुंच पा रहे हैं। मरीजों को इलाज नहीं मिल रहा है। रेजिडेंट डॉक्टर का कहना है कि वह इमरजेंसी सेवाएं बाधित नहीं कर रहे हैं लेकिन ओपीडी में वह सेवाएं बंद कर रहे हैं। वहीं लखनऊ के लोहिया संस्थान में इलाज पूरी तरह से ठप हो गया और मरीजों को हटा जा रहा है। डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के प्रवक्ता डॉ भुवन के मुताबिक मरीज का इलाज बाधित न हो इसके लिए रेजिडेंट से बातचीत की जा रही है। सोमवार को ही दिल्ली के करीब 10 सरकारी अस्पतालों के डॉक्टरों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी। वही उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भी सोमवार को देर शाम तक रेजिडेंट डॉक्टरों का प्रदर्शन जारी रहा था। मंलवार को भी रेजिडेंट डॉक्टर प्रदर्शन कर रहे हैं। दरअसल, कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ड्यूटी के दौरान एक परास्नातक प्रशिक्षु चिकित्सक के दुष्कर्म और हत्या के बाद से डॉक्टर में आक्रोश है। इसके बाद प्रदर्शन और काम बंद करने का यह कदम उन्होंने उठाया है। पश्चिम बंगाल के इस सरकारी अस्पताल के सेमीनार हॉल में बृहस्पतिवार रात को 32 वर्षीय डॉक्टर का शव अर्द्ध नग्न हालत में मिला था। वहीं केजीएमयू के प्रवक्ता डॉक्टर सुधीर सिंह का कहना है की जो मरीज ओपीडी के अंदर आ गए थे उन्हें इलाज दिया जा रहा है।

घर–घर राष्ट्रीय झंडा लगाने का आह्वान, छात्र–छात्राओं के बीच तिरंगा बांटा गया

लखनऊ, एजेंसी। भाजपा की नगर कार्यकारिणी के नेतृत्व में वरिष्ठ पदाधिकारियों ने हर घर तिरंगा अभियान के तहत घर–घर झंडा लगाने का आह्वान किया। मंगलवार को लखनऊ में क्राइस्ट चर्च कॉलेज के बच्चों के बीच राष्ट्रीय ध्वज वितरित कर घरों में लगाने की अपील की गई। कार्यक्रम में बच्चों को बताया गया कि वे गर्व के साथ झंडे को अपने–अपने घरों पर सेल्फी के साथ लगाएं। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश मंत्री अर्चना मिश्रा, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राहुल राज रस्तोगी, महानगर के अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, महानगर पदाधिकारी विवेक तोमर, सौरभ वाल्मीकि, कॉलेज के प्रिंसिपल आआर के चौत्री, सह संयोजक सोशल मिडिया अवध क्षेत्र के मनोज उपस्थित रहे।

सम्पादकीय........

हमदर्दी भी है दवा

गाहे–बगाहे सख्त फैसलों से नीति–नियंताओं को आईना दिखाने वाले देश के मुख्य न्यायाधीश आम आदमी के प्रति कितने गंभीर और संवेदनशील हैं, बीते शनिवार उनकी टिप्पणी से यह उजागर हुआ। चंडीगढ़ के प्रतिष्ठित चिकित्सा व शोध संस्थान पीजीआई के 37वें दीक्षांत समारोह में उन्होंने जो कहा वह पूरी चिकित्सा बिरादरी के लिये आत्ममंथन को बाध्य करता है। उन्होंने चिकित्सा के क्षेत्र में प्रवेश करने वाले युवा डॉक्टरों से कहा कि उनके लिये मरीज सिर्फ एक केस नहीं हो सकता। मरीजों को आपके स्नेह व दयालुता की उतनी ही आवश्यकता है, जितनी कि चिकित्सा पेश की आपकी विशेषज्ञता की। उन्होंने चिकित्सा के पेशे में आने वाले युवा डॉक्टरों से कहा कि वे मरीजों के साथ स्नेह का रिश्ता बनाएं ताकि वे अपना दर्द–रोग खुलकर बता सकें। उन्होंने बॉलीवुड की चर्चित फिल्म 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' का उल्लेख इस संदर्भ में किया कि फिल्म का नायक संवेदना, सहजता व प्रेरक शब्दों के जरिये मरीजों का उपचार करता था। इस तरह जस्टिस चंद्रचूड़ ने युवा डॉक्टरों को चिकित्सा पेशे में निहित सहानुभूति से उपचार के महत्व का अहसास कराया। उन्होंने उदाहरण स्वरूप बताया कि कैसे मुन्ना भाई बच्चों के वार्ड में बीमारी से जूझ रहे बच्चों को 'जादू की झप्पी' से भला–चंगा करने का अभिनव प्रयास करते थे। उन्होंने युवा डॉक्टरों से मरीजों के साथ संवेदनशील व अपनेपन का रिश्ता बनाने की बात कही। जिसका मनोवैज्ञानिक रूप से मरीजों के उपचार में सकारात्मक प्रभाव नजर आता है। इन तथ्यों को आधुनिक चिकित्सा विज्ञान में भी स्वीकार किया जाता है। निश्चित रूप से मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने चिकित्सा बिरादरी को इस पवित्र पेशे के सनातन मूल्यों से रूबरू कराया। उन्होंने इस बात का अहसास कराया कि एक मरीज के लिये मीठे व हमदर्दी के बोल उपचार का भी काम करते हैं। इतना ही नहीं उन्होंने न्यायिक व्यवस्था के वास्तविक लक्ष्यों का भी जिक्र किया। जस्टिस चंद्रचूड़ ने युवा डॉक्टरों से कहा कि कानून व चिकित्सकों का पेशा एक जैसा ही है। जैसे किसी वादी को न्याय देने के लिये हमें जांच रिपोर्ट और साक्ष्यों की जरूरत होती है, उसी तरह चिकित्सा के पेशे में मरीज की जांच रिपोर्ट सही उपचार में निर्णायक होती है। लेकिन इन दोनों पेशों का अंतिम मकसद जनता की सेवा ही है। दोनों व्यवसायों में आम आदमी के साथ न्याय व कल्याणकारी उपचार हेतु ही कार्य किया जाना चाहिए। यह सुखद ही है कि देश की शीर्ष अदालत के मुखिया ने बेहद सहजता व साफगोई से चिकित्सा पेशे के मर्म व पेशागत मूल्यों से नवोदित चिकित्सकों का साक्षात्कार कराया। निस्संदेह, मरीजों के प्रति संवेदनशीलता व हमदर्दी की इसी सोच के चलते डॉक्टरों को दूसरा भगवान भी कहा जाता है। इस विश्वास का घोर व्यावसायिक कारणों से क्षरण महसूस किया जाता रहा है। यह भी हकीकत है कि पीजीआई जैसे चिकित्सा संस्थानों में कई राज्यों के मरीजों के भारी दबाव का चिकित्सकों की कार्यशैली पर प्रभाव पड़ता है, लेकिन पेशागत अहसासों के चलते मरीज उनसे मधुर व हमदर्दी के व्यवहार की उम्मीद हरदम करते हैं। जिसका जस्टिस चंद्रचूड़ ने अपने संबोधन के जरिये बखूबी अहसास कराया है।

जाति जनगणना: सामाजिक न्याय की ओर कदम

राम पुनियानी

राहुल गांधी ने वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत केन्द्रीय बजट पर चर्चा के दौरान लोकसभा में अपने भाषण में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने काफी जोरदार और प्रभावी ढंग से जाति जनगणना की मांग उठाई।

हालिया लोकसभा आमचुनाव (मई 2024) में इंडियन गठबंधन ने जाति जनगणना के मुद्दे को अपने चुनाव अभियान में महत्वपूर्ण स्थान दिया। अन्य कारकों के अलावा, इस मुद्दे ने भी इंडिया गठबंधन के चुनाव में बेहतर प्रदर्शन में अपना योगदान दिया। हालांकि इस गठबंधन को सरकार बनाने लायक सीटें नहीं मिल सकीं. भाजपा के गठबंधन साथी नीतीश कुमार बिहार में पहले ही जाति जनगणना करवा चुके हैं, हालांकि इस मुद्दे को अभी उन्होंने ठंडे बस्ते में रख छोड़ा है। राहुल गांधी ने वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत केन्द्रीय बजट पर चर्चा के दौरान लोकसभा में अपने भाषण में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने काफी जोरदार और प्रभावी ढंग से जाति जनगणना की मांग उठाई। उन्होंने शहलवाश (सरकार से मिलने वाले लाभ) का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि बजट तैयार करने वाले मुख्यतरू ऊंची जातियों के हैं और बजट के लाभार्थी केवल चंद उच्च वर्ग हैं। राहुल गांधी के इस प्रभावी भाषण का जवाब देते हुए अनुराग ठाकुर (शगोली मारो... वाले) ने राहुल गांधी का मखौल उड़ाते हुए कहा कि जिसे उसकी खुद की जाति नहीं मालूम, वह जाति जनगणना की मांग कर रहा है। इस मामले में राहुल गांधी अनूठे व्यक्ति हैं – हिन्दू पिता, ईसाई मां, हिन्दू दादी और पारसी दादा। एक तरह से वे उस स्वतंत्र और खुले समाज के प्रतीक हैं, जो दकियानूसी तत्वों के अंतरजातीय और अंतर्धार्मिक शादियों के विरोध के बावजूद देश में उभरता जा रहा है। ठाकुर की टिप्पणियों को लोकसभा की कार्यवाही से हटा दिया गया मगर प्रधानमंत्री ने उनके भाषण को ट्वीट कर उसका अनुमोदन किया। जाति जनगणना आवश्यक है। कारण यह कि आरक्षण के प्रतिशत का निर्धारण दशकों पहले किया गया था और तब से लेकर अब तक विभिन्न जातियों की कुल आबादी में हिस्सेदारी में काफी परिवर्तन आ चुका है। अनुराग ठाकुर और नरेन्द्र मोदी जिस विचारधारा के हैं, वह विचारधारा सकारात्मक भेदभाव की नीति अपनाकर हाशियाकृत समुदायों को अन्य समुदायों के समकक्ष लाने के प्रयासों के खिलाफ है। यद्यपि आर्थिक दृष्टि से सक्षम हो जाने मात्र से दलितों की सामाजिक समस्याएं समाप्त नहीं हो जाएंगी मगर इसमें कोई संदेह नहीं कि बेहतर आर्थिक स्थिति से सामाजिक स्थिति में भी बेहतरी आती है। भारतीय समाज जाति व्यवस्था के चंगुल में बुरी तरह फंसा हुआ है। इसके चलते जाति प्रथा के पीड़ितों को सामाजिक न्याय, सम्मान और गरिमा मिले, यह सुनिश्चित करवाना आसान नहीं है। दलितों को सम्मान और समानता दिलवाने का संघर्ष बहुत लम्बा और कठिन रहा है। इस दिशा में पहला प्रयास ज्योतिराव फुले ने किया था। उन्हें अहसास था कि जाति प्रथा, हिन्दू समाज की सबसे बड़ी कमजोरी है. चूँकि दलितों को पढने–लिखने नहीं दिया जाता था इसलिए फुले ने दलितों के लिए स्कूल खोले। जातिगत पदक्रम को बनाये रखने में लैंगिक असमानता की भी अहम भूमिका है। अतरू सावित्रीबाई फुले ने लड़कियों के लिए स्कूल खोले। जातिगत व लैंगिक समानता की स्थापना के ये प्रयास करीब एक सदी पहले किये गए थे। अम्बेडकर ने इन वर्गों को और जागरूक किया। दलितों को समझ में आया कि जमींदार और पुरोहित की जोड़ी –जिसे महाराष्ट्र में शेठजी–भट्टजी कहा जाता है–उनकी सबसे बड़ी पीड़क है। इसी के चलते ब्राह्मण विरोधी आन्दोलन शुरू हुआ। ब्राह्मणों के प्रभुत्व को चुनौती देने वाले इस आन्दोलन की राह आसान नहीं रही। उच्च जातियों के लोग हिन्दू–मुस्लिम एकता स्थापित करने के गांधीजी के प्रयासों से पहले ही परेशान थे। दलितों की समान अधिकारों की मांग ने उच्च जातियों को और विचलित कर दिया। उच्च जातियों के श्रेष्ठी वर्ग ने आरएसएस की स्थापना की, जिसका लक्ष्य था हिन्दू राष्ट्र की स्थापना। हिन्दू राष्ट्र की परिकल्पना मनुस्मृति पर आधारित है। आरएसएस ने भारत के संविधान का इस आधार पर विरोध किया था कि उसमें भारत के शस्वर्णिम अतीतश के मूल्यों को जगह नहीं दी गई है। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण का असर धीरे–धीरे समाज पर पड़ने लगा। इसके साथ ही अफवाहें फैलाने का क्रम भी शुरू हो गया। आरक्षण से लाभान्वित होने वालों को शसरकारी दामाद श कहा जाने लगा और यह तर्क दिया गया कि वे जिन पदों पर काबिज हैं, वे उनके योग्य नहीं हैं। यह भी कहा गया कि आरक्षण की व्यवस्था योग्य युवाओं की राह में रोड़ा है। ऊं ची जातियों के लोगों का गुस्सा सबसे पहले गुजरात के अहमदाबाद में सामने आया। माधवसिंह सोलंकी के केएचएएम या खाम (क्षत्रिय, हरिजन, आदिवासी और मुस्लिम) गठबंधन की सफलता पर तीव्र प्रतिक्रिया हुई और सन् 1981 में गुजरात में दलित–विरोधी हिंसा भड़क गई। अध्येता अच्युत याग्निक लिखते हैं–शशिक्षित मध्यम वर्ग, जिसमें ब्राह्मण, बनिया और पाटीदार शामिल हैं, ने 1981 में आरक्षण की व्यवस्था के खिलाफ आन्दोलन शुरू कर दिया। सन् 1985 में पदोन्नति में आरक्षण के खिलाफ एक बार फिर गुजरात में दलित–विरोधी हिंसा हुई। इसी समय, विश्व हिन्दू परिषद् ने राममंदिर आन्दोलन के बढ़ावा देना शुरू किया और लालकृष्ण अडवाणी ने सोमनाथ से अयोध्या तक रथयात्रा शुरू की। वी. पी. सिंह, जिनकी सरकार एक ओर भाजपा तो दूसरी ओर वामपंथी दलों के समर्थन से चल रही थी, ने अपनी गद्दी बचाने की खातिर मंडल आयोग की रपट को लागू कर दिया और अन्य पिछड़ा वर्गों (ओबीसी), जो आबादी का 55 प्रतिशत हैं, को 27 प्रतिशत आरक्षण दे दिया। ऊंची जातियां, मंडल आयोग के खिलाफ थीं। मगर चुनावी कारणों से भाजपा मंडल का सीधे विरोध नहीं कर सकती थी। उसने रथयात्रा को सफल बनाने में पूरा जोर लगा दिया। इस यात्रा को मंडल–विरोधी उच्च जातियों का जबरदस्त समर्थन प्राप्त हुआ। मंडल का विरोध करने के लिए श्यूथ फॉर इक्वालिटीश जैसी संस्थाएं उभर आईं। मंडल राजनीति से शरद यादव, लालू यादव और रामविलास पासवान जैसे नेता उभरे। भाजपा के शीर्ष नेता अटलबिहारी वाजपेयी ने कहा, श्वे मंडल लाए तो हम बदले में कमंडल लाए. भाजपा सामाजिक न्याय की विरोधी रही है और अपने इस विरोध को उसने मुस्लिम–विरोध का जामा पहनाया। एक सुनियोजित षड़यंत्र के तहत बाबरी मस्जिद को गिरा दिया गिया। भाजपा का उद्देश्य है जातिगत ऊंच–नीच को बनाये रखते हुए हिन्दुओं को एक करना।

हिंडनबर्ग: मोदी जी पर एक और नया संकट

शकील अख्तर

प्रधानमंत्री मोदी कई संकटों में घिरे मगर बचे रहे। उनके पास मीडिया है जो उनके खिलाफ जाने वाली हर बात को दबा देता है। उनके पक्ष में रोज नई कहानियां पेश करता है। जनता को हिन्दू–मुसलमान में उलझाए रखता है। अगर यह सेफ गार्ड एक दिन को भी हट जाए तो मोदी जी के लिए अपना विकेट बचाना मुश्किल होगा। अभी हिंडनबर्ग के नए खुलासे के बाद ऐसा ही लग रहा है कि मोदी जी का कवच बना मीडिया थोड़ा सहमा हुआ है। टीवी चौनलों पर खबर चल रही है। डेढ़ साल पहले जब हिंडनबर्ग का पहला खुलासा आया था तो मोदी जी लोकसभा में 303 सांसदों वाली पार्टी के नेता थे। राहुल ने लोकसभा में सवाल उठाया तो उन्हें लोकसभा से ही निकाल दिया गया था। मगर उसी सत्रहवीं लोकसभा में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें वापस भेजा। और अब 18 वीं लोकसभा में जनता ने उन्हें न केवल दो जगह से जीता कर वापस भेजा बल्कि मोदी जी की 303 सीटों को 240 भी कर दिया। 240 मतलब अल्पमत! 543 की लोकसभा में साधारण बहुमत के लिए भी 272 सीटें चाहिए। मोदी जी तीसरी बार जरूर प्रधानमंत्री बन गए। नेहरू से बराबरी का खूब प्रचार भी करवा लिया मगर पिछली दोनों बार की सीटों से बहुत कम ला पाए। 2014 में पहली बार प्रधानमंत्री बनते समय भी 282 सीटें जीते थे। तो इस बार अल्पमत में आते ही डर भी खत्म हो गया। पिछले दस साल खुद भाजपा आरएसएस भी डर में ही रहे। बाकी संवैधानिक इंस्टिट्यूशन और ज्यादा डरे हुए। और मीडिया सबसे ज्यादा डरा हुआ। एक ही आदमी नहीं डरा। पूरा इंस्टिट्यूशन बन गया वह निकल पड़ा सड़कों पर। उस समय 303 सीटों का गुमान था। और 400 पार के ख्वाब थे। तो राहुल के खिलाफ हर कार्रवाई की गई। एसपीजी की सुरक्षा हटाई। 55–56 घंटे ईडी ने पूछताछ की। मगर कुछ नहीं निकला। लोकसभा की सदस्यता छीनी। घर छीना। बीस से ज्यादा मुकदमे चला रखे हैं। जिन्हें एक जगह नहीं कर रहे। सड़क पर गिराया तक गया। जब हाथरस जा रहे थे दलित परिवार से मिलने जिनकी लड़की सामूहिक बलात्कार में मारी गई थी तो पुलिस ने धक्के मारकर गिराया। क्या नहीं किया? किसी एक नेता के खिलाफ आजादी के बाद इतनी कार्रवाइयां करने का और कोई उदाहरण तो बताइए! मगर उसका जवाब इस नेता ने दो तरह से दिया। एक–दो बार पूरा हिन्दुस्तान नाप दिया। दूसरे पूरे हिन्दुस्तान के विपक्षी दलों को एक कर दिया। परिणाम सामने है। मोदी जी अल्पमत में और राहुल पूरे दम के साथ नेता प्रतिपक्ष। बाकी सब इसके फाल आउट हैं। कमजोर का साथ कोई नहीं देता। मोदी जी को अच्छी तरह समझ में आ रहा होगा। जिस मीडिया पर इतना भरोसा था वह भी हिंडनबर्ग की रिपोर्ट पर सवाल कर रहा है। करे भी क्यों नहीं? शेयर बाजार और बैंक इन दोनों चीजों पर झूठ चल नहीं सकता। सारा कारोबार ही इन पर टिका है। मध्यमवर्ग का सारा पैसा इन्हीं दोनों जगह है। बाकी सब जगह झूठ बोलने से आर्थिक नुकसान नहीं होता। मगर यहां अगर शेयर बाजार और बैंकों में कोई बड़ा कांड हुआ तो मध्यम वर्ग तो मिटेगा ही यह मीडिया भी बच नहीं सकेगा। अभी एक उद्योगपति के चौनल से सैकड़ों लोग नौकरी से निकाले गए। इस उद्योगपति ने चालीस साल पहले भी एक बड़ा अंग्रेजी अखबार निकाला था। बड़ी–बड़ी तनखाओं पर पत्रकारों को लाया था। मगर जब लगा कि अपना अखबार चलाने से सस्ता दूसरे अखबारों के जरिए काम करना है तो फिर अचानक सब पत्रकारों और दूसरे स्टाफ को मंझधार में छोड़कर अखबार बंद कर दिया। अब आधे से ज्यादा मीडिया खरीद लिया है। लेकिन उसके लिए सम्मान या प्रोफेशनल माहौल देने का सवाल ही नहीं। जैसे लाला के यहां लोग काम करते हैं वैसी स्थिति कर दी। उधर मोदी जी तो सम्मान करते नहीं है। दस साल से ज्यादा हो गए एक प्रेस कान्फ्रेंस तक नहीं की। ले दे के बस कांग्रेस के प्रचारप्रिय नेता ही इस मीडिया को पूछते हैं। बाकी राहुल तो मौका मिलने पर कह देते हैं कि भाजपा का बिल्ला लगाकर सवाल करो! मगर जैसा कि हम पहले भी कई बार लिख चुके हैं। फिर लिखने में हमें कोई परेशानी नहीं है कि कांग्रेस दो हैं। एक कांग्रेस है जो राहुल हैं। विपक्ष के नेता जो इकट्ठा हुए वह राहुल की वजह से ही हुए। बाकी इन गुटबाज अवसरवादी और केवल अपने स्वार्थ के लिए काम करने वाले टीवी पर चेहरा चमकाने के लिए गोदी मीडिया के आगे पीछे घूमने वाले कांग्रेसी नेताओं को विपक्ष के बाकी नेता कोई पसंद नहीं करते हैं। तो अब दूसरी कांग्रेस बताने की जरूरत नहीं। लिख ही दिया हमने कि दूसरी कांग्रेस केवल अपने और अपने बारे में सोचने वाले नेताओं की है। उदाहरण भी बता देते हैं। अभी राजस्थान विधानसभा में कांग्रेस को इस गुटबाजी ने ही हराया। फिर लोकसभा चुनाव के नतीजों ने बताया कि राजस्थान में कांग्रेस कितनी मजबूत है। 25 में 11 सीटें जीती। क्योंकि यहां मुख्यमंत्री के लिए लड़ रहे दोनों गुटों का कुछ भी दांव पर नहीं था। अभी हरियाणा में विधानसभा चुनाव होना हैं। आंख बंद करके सब कह रहे हैं कि कांग्रेस आएगी। मगर कांग्रेसियों को छोड़कर। कांग्रेसी कह रहे है कि हमें कमजोर मत समझना। जनता चाहे जितना जोर लगा दे। हम अपनी गुटबाजी और हम से बड़ा नेता कौन की टेक नहीं छोड़ेंगे। सोनिया गांधी को कहना पड़ा कांग्रेस संसदीय दल की मीटिंग में कि अगर मिलकर लड़ लिए तो जीत जाओगे। मगर वह कांग्रेसी ही क्या जो सोनिया की या राहुल की बात सुन लें! ऐसी बातें तो सोनिया गांधी यूपीए की सरकार के समय कई बार कहती रहीं। अगर मान जाते तो 2014 में हारते थोड़ी। 2014 में मोदी जी नहीं जीते थे। कांग्रेसियों ने कांग्रेस को हराया था। मगर अब गंगा–जमुना में बहुत पानी बह गया है। राहुल बड़ी ताकत बन गए हैं। और वह जो एक डायलाग है ना! राहुल उसको इस तरह बोल सकते हैं कि मेरे पास जनता है। और सच यह है कि जनता के साथ विपक्षी दल और उनके नेता भी राहुल के साथ हैं। कांग्रेस के कार्यकर्ता भी हैं। अब इन अवसरवादी निहित स्वार्थी कांग्रेसी नेताओं के भरोसे मोदी जी राहुल को कमजोर नहीं कर सकते। मीडिया भी खिसक रहा है। हिंडनबर्ग की इस नई रिपोर्ट का असर क्या होता है यह सोमवार सुबह शेयर मार्केट खुलने के बाद पता चलेगा। सरकार की मजबूती भी। पहले अरुण जेटली थे। ऐसी उठापटक को मैनेज कर लेते थे। मगर उन्हें तो मोदी जी कभी याद भी नहीं करते। कल जब मार्केट अपनी प्रतिक्रिया देगा तो शायद जेटली याद आएं। बहुत तनाव झेलकर गए हैं। समय से पहले। अगर मोदी जो को दिल्ली लाने और प्रधानमंत्री बनाने के लिए किसी एक व्यक्ति का नाम लेना हो तो वह जेटली के अलावा और किसी का नहीं हो सकता। खैर मोदी जी को अपने किसी नेता की परवाह नहीं है। आडवानी से लेकर जेटली तक बहुत लंबी लिस्ट है जिन्हें उपयोग किया और भूल गए। उन्हें तो कांग्रेस के नेता याद रहते हैं। किस कांग्रेस के नेता ने क्या किया? क्या नहीं किया? मगर अब इन सबसे कुछ होने वाला नहीं है। दस साल कट गए। अब सहयोगी दलों की बैसाखियों पर सरकार है। जिसने अभी लोकसभा में वक्फ बिल भी पास नहीं होने दिया। और राज्यसभा में कह रहे हैं कि अगर सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आया तो देखेंगे!

आज सभापति के लिए यह जवाब है कल प्रधानमंत्री के लिए भी हो सकता है!

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

ताजा हिंडनबर्ग रिपोर्ट: भ्रष्टाचार की नई परतें

भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सत्ताधारी एनपीपी को तृणमूल की चुनौतीशारीरिक गतिविधि बढ़ाने से की जा सकती है जीवन व धन की बचत : रिपोर्ट

आर्थिक मामलों तथा वित्तीय गतिविधियों की रिसर्च फर्म हिंडनबर्ग ने पिछले साल ही अडानी समूह पर वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाया था, अब एक बार फिर एजेंसी ने जो नया मामला उजागर किया है, उसके केन्द्र में अडानी समूह तो है ही, इसके अलावा भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड यानी सेबी का नाम भी इसमें शामिल हो गया है। ताजा खुलासे के मुताबिक सेबी की प्रमुख माधवी बुच एवं उनके पति धवल बुच ने 3 ऑफ शोर कम्पनियों में बड़ी राशि का निवेश किया है। इन कंपनियों का संबंध अडानी समूह से है। रिपोर्ट के मुताबिक आज तक सेबी ने अडानी की दूसरी संदिग्ध शेयरहोल्डर कंपनियों पर कोई कार्रवाई नहीं की है जो इंडिया इन्फोलाइन की ईएम रिसर्जेंट फंड और इंडिया फोकस फंड की ओर से संचालित की जाती हैं। हालांकि बुच दंपती ने एक बयान जारी कर इन आरोपों को गलत बताया है। इस खुलासे के बाद अब उंगलियां प्रधानमंत्री मोदी पर भी उठ रही हैं। क्योंकि विपक्ष कई बार गौतम अडानी और नरेन्द्र मोदी के संबंधों पर सवाल उठा चुका है। संसद में भी इस पर सवाल उठाए गए, लेकिन न नरेन्द्र मोदी न ही उनकी सरकार ने इस पर कोई संतोषजनक जवाब दिया। हिंडनबर्ग की पहली रिपोर्ट के बाद भी अडानी समूह के खिलाफ जांच नहीं की गई, इसलिए विपक्ष के आरोप और तेज हो जाते हैं। अब श्री मोदी का इस मामले से कोई सम्बन्ध नहीं है– यह तभी माना जायेगा जब वे इन आरोपों की तत्काल जांच का आदेश दें। विपक्ष अब यह सवाल भी उठा रहा है कि 12 अगस्त तक निर्धारित संसद के सत्र को आनन–फानन में क्या इसलिये अनिश्चितकाल के लिये स्थगित कर दिया गया क्योंकि इस रिपोर्ट के सार्वजनिक होने की बातें सुनाई देने लगीं थीं। खुद हिंडनबर्ग ने एक सूचना देकर हलचल मचा दी थी कि शनिवार को भारत में कुछ बड़ा होने जा रहा है। इस मामले को पूरा समझने के लिये यह जान लेना जरूरी है कि पिछले साल की जनवरी में इस आशय की रिपोर्ट सामने आई थी कि गौतम अडानी विश्व के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति इसलिये बने हैं क्योंकि उन्हें भारत सरकार का प्रश्रय और सहायता मिल रही है। इसके चलते ही उनके शेयरों में भारी उछाल आया था। इसके पीछे उनके भाई विनोद अडानी द्वारा विदेशों में स्थापित ऑफ शोर कम्पनियां हैं। सरल भाषा में कहें तो ये वे कम्पनियां होती हैं जिनमें अवैध तरीके से कोई कारोबारी पैसे डालता है। फर्जी कम्पनियां होने के कारण उन पर खर्च तो होता नहीं लेकिन काला धन निवेश करने की सुविधा होती है। मोदी के साथ अडानी की नजदीकियों के कारण विपक्ष द्वारा जांच की बार–बार मांग होने के बाद भी ऐसा नहीं किया गया, न ही संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) बिठाई गई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा अदानी–मोदी के सम्बन्धों पर कई बार बातें उठाई गईं। अपनी पहली राष्ट्रव्यापी पदयात्रा में भी राहुल इस बात को उठाते रहे कि अदानी और अंबानी (मुकेश) मिलकर देश के सभी संसाधनों पर कब्जा कर रहे हैं क्योंकि उनके पीछे खुद मोदी हैं। यह सवाल भी पूछा जाता रहा है कि जब देश में गरीबी और भुखमरी बढ़ रही है तो अडानी किस प्रकार से दुनिया के सबसे अमीर व्यक्तियों में से एक हैं। यह इसलिये सबके लिये आश्चर्य का विषय रहा क्योंकि कुछ ही समय पहले तक अडानी की विश्व रैंकिंग 600 के भी नीचे थी। यहां यह भी याद किये जाने की आवश्यकता है कि पिछली लोकसभा के आखिरी दिनों में हुए एक सत्र में राहुल गांधी ने जब उस चित्र को दिखाया था जिसमें अडानी के हवाई जहाज में बैठकर मोदी प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के लिये दिल्ली आ रहे हैं, वर्तमान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला उस वक्त सीधे–सीधे मोदी के बचाव में उतर आये थे। राहुल की जुबान बन्द करने हेतु उनके खिलाफ लम्बित अवमानना का एक मुकदमा भी पुनर्जीवित किया गया और उनकी सदस्यता छीन ली गई थी। वैसे उनकी सदस्यता बहाली सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश के चलते हुई पर गौर करने वाली बात यह है कि ओम बिड़ला को ही दोबारा सदन का अध्यक्ष बनाया गया। बहरहाल, हिंडनबर्ग की इस नयी रिपोर्ट से यह संदेह उपजता है कि अडानी को सेबी की ओर से मिलने वाली क्लीन चिट का कारण सेबी प्रमुख का यही व्यक्तिगत हित हो सकता है। यदि अडानी समूह के खिलाफ सेबी उदार रहता है तो कोई आश्चर्य की बात नहीं। याद रहे कि इस लोकसभा चुनाव के जब नतीजे आने वाले थे तब उसके ऐन पहले भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड बहुमत की सरकार बनने का दावा गोदी मीडिया कहे जाने वाले प्रकाशन एवं प्रसारण संस्थानों ने किया था। इसके चलते सेंसेक्स एवं निफ्टी में भारी उछाल आया था। यह वृद्धि कृत्रिम थी। इस अफवाह में, कि भाजपा सरकार फिर से आ रही है, लोगों ने जमकर शेयर खरीदे परन्तु जब भाजपा एवं उसकी सहयोगी पार्टियों (नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस) की सीटें कम आईं तो शेयर मार्केट धड़ाम हो गया। इस नियोजित उतार–चढ़ाव में मध्यवर्गीय निवेशकों के कई लाख करोड़ डूबे। अब हिंडनबर्ग की जो रिपोर्ट आई है, उसके मद्देनजर यह भी देखा जाना चाहिये कि क्या इसमें भी सेबी ने साथ दिया था। अगर ऐसा है तो यह बेहद गंभीर मामला है जो बताता है कि भ्रष्ट कारोबारियों को बचाने के लिये सरकार की ओर से ऐसी व्यवस्था की गई है कि कोई उनका बाल भी बांका नहीं कर सकता– चाहे निवेशकों का कितना भी नुकसान हो।

अनन्या पांडे

ने जिम में उठाया 120 किलो वजन, बताए फिटनेस गोल

> अनन्या पांडे ने जिम में वर्कआउट करते हुए अपना एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह १२० किलोग्राम वजन उठाती नजर आ रही हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्हें अपने जिम वर्कआउट के दौरान १२० किलोग्राम वजन उठाते हुए देखा जा सकता है।

फिटनेस लवर एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने जिम में वर्कआउट करते हुए अपना एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह 120 किलोग्राम वजन उठाती नजर आ रही हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्हें अपने जिम वर्कआउट के दौरान 120 किलोग्राम वजन उठाते हुए देखा जा सकता है। वीडियो में वह ब्लैक टैंक टॉप और मैचिंग शॉर्ट्स पहने दिखाई दे रही हैं। अनन्या बॉलीवुड अभिनेता चंकी पांडे और कॉस्ट्यूम डिजाइनर भावना की बेटी हैं। उन्होंने 2019 में फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 में श्रेया की भूमिका निभाकर अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। पुनीत मल्होत्रा द्वारा निर्देशित और नोकिया स्टूडियोज एवं करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित यह रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 2012 की फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर की सीक्वल थी। इसमें अनन्या पांडे के साथ टाइगर श्रॉफ, तारा सुतारिया और आदित्य सील भी थे। इसके बाद अनन्या ने कार्तिक आर्यन और भूमि पेडनेकर के साथ रोमांटिक कॉमेडी पति–पत्नी और वो में तपस्या की भूमिका निभाई। इसके बाद अभिनेत्री को खाली पीली में पूजा और गहराइयां में टिया के किरदार में देखा गया। अनन्या ने पुरी जगन्नाथ द्वारा लिखित और निर्देशित 2022 की स्पोर्ट्स एक्शन फिल्म लाइगर से अपना तेलुगु डेब्यू किया। हिंदी और तेलुगु में एक साथ शूट की गई इस फिल्म का निर्माण धर्मा प्रोडक्शंस और पुरी कनेक्ट्स ने किया था। फिल्म में विजय देवरकोंडा मुख्य भूमिका में हैं। राम्या कृष्णा, रोनित रॉय प्रमुख भूमिकाओं में हैं। वहीं अमेरिकी मुक्केबाज माइक टायसन कैमियो भूमिका में हैं। इसके बाद अनन्या ड्रीम गर्ल 2 में परी और खो गए हम कहां में अहाना के रूप में नजर आईं। वह अगली बार विक्रमादित्य मोटवानी और अविनाश संपत द्वारा लिखित और निर्देशित एक थ्रिलर फिल्म सीटीआरएल में दिखाई देंगी। सैफरन मैजिकवर्क्स और आंदोलन फिल्म्स के बैनर तले निखिल द्विवेदी और आर्य मेनन द्वारा निर्मित इस फिल्म में अनन्या और विहान समत मुख्य भूमिका में हैं। अनन्या के पास शंकरा और वेब सीरीज कॉल मी बे भी हैं।

शिल्पा शेट्टी ने अपनी मां के लिए रखी जन्मदिन पार्टी

बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने अपनी मां के 75वें जन्मदिन पर एक शानदार पार्टी का आयोजन किया। इंस्टाग्राम पर शिल्पा के 32.3 मिलियन फॉलोअर्स हैं। उन्ध्होंने इंस्टा के स्टोरीज सेक्शन में बर्थडे पार्टी के कुछ वीडियो शेयर किए। वीडियो में हम सुनंदा को फ्लोरल पिंक कलर की साड़ी पहने हुए देख सकते हैं, जिसे उन्होंने मैचिंग ब्लाउज के साथ पेयर किया है। उन्होंने अपने लुक को डायमंड और पर्ल नेकलेस, अपनी सिग्नेचर बड़ी बिंदी और बन पर गजरा लगाकर पूरा किया है। शिल्पा ने ऑफ–शोल्डर ब्लू कलर की एंकल–लेंथ ड्रेस पहनी है और इसे उन्ध्होंने ब्लैक पॉइंटेड हील्स के साथ पेयर किया है। वीडियो में उनकी छोटी बहन और एक्ट्रेस शमिता शेट्टी, शिल्पा के पति राज कुंद्रा और उनके दो बच्चे भी नजर आ रहे हैं। पार्टी का एक बैनर भी दिखाई दे रहा है, जिस पर उनकी मां के लिए शुभकामना संदेश लिखा हुआ है। इसके साथ ही एक केक भी नजर आ रहा है। शिल्पा ने नवंबर 2009 में बिजनेसमैन राज कुंद्रा से शादी की थी। इस जोड़े के दो बच्चे बेटा वियान और बेटी समीशा हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो शिल्पा ने 1993 की थ्रिलर फिल्म बाजीगर से एक्टिंग में डेब्यू किया था।

अब्बास–मस्तान द्वारा निर्देशित इस फिल्म में शाहरुख खान और काजोल मुख्य भूमिका में थे। इसके बाद उन्होंने मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी, परदेसी बाबू, धड़कन, गर्व प्राइड एंड ऑनर, लाइफ इन ए... मेट्रो, हंगामा 2 और निकम्मा जैसी फिल्मों में काम किया। हाल ही में उन्होंने सोनल जोशी द्वारा निर्देशित कॉमेडी–ड्रामा सुखी में अभिनय किया। इसमें अमित साध, दिलनाज ईरानी, कुशा कपिला और पावलीन गुजराल भी हैं। शिल्पा ने रोहित शेट्टी और सुशांत प्रकाश द्वारा निर्मित और निर्देशित 'इंडियन पुलिस फोर्स' में तारा के रूप में भी काम किया है। सीरीज में सिद्धार्थ मल्होत्रा और विवेक ओबेरॉय हैं। उनकी अगली फिल्म केडी है।

हीरामंडी फेम ताहा शाह बदुशा ने साइन की रमेश सिप्पी एंटरटेनमेंट के साथ 3 फिल्में

फिल्म निर्माता संजय लीला भंसाली की पहली ओटीटी सीरीज हीरामंडी द डायमंड बाजार में ताजदार बलोच का किरदार निभाने वाले एक्टर ताहा शाह बदुशा को लोगों का खूब प्यार मिला। वह अपने करियर में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने रमेश सिप्पी एंटरटेनमेंट के साथ तीन फिल्में साइन की हैं। ताहा ने कहा, रमेश सिप्पी एंटरटेनमेंट के साथ तीन फिल्मों को साइन करना सम्मान की बात है और रोहन सिप्पी द्वारा निर्देशित फिल्म में काम करना एक सपने जैसा है। यह अवसर वाकई खास है और मैं इस फिल्म में अपना बेस्ट देने के लिए उत्सुक हूं। उन्होंने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उसके लिए मैं उनका बहुत आभारी हूं। भारतीय सिनेमा के दिग्गजों में से एक, रमेश सिप्पी को 1975 की फिल्म शोले के लिए जाना जाता है। उन्होंने अंदाज, सीता और गीता, शान, शक्ति, सागर और टीवी शो बुनियाद जैसे प्रोजेक्ट्स में अपना एक्टिंग का हुनर दिखाया। रमेश सिप्पी एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी फिल्मों में ब्लफमास्टर, टैक्सी नंबर 9 2 11 नौ दो ग्यारह, दम मारो दम, नौटंकी साला और रवीना टंडन स्टारर सीरीज अरण्यक शामिल हैं।वेराइटी डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, रमेश सिप्पी एंटरटेनमेंट के साथ ताहा की तीन फिल्मों में से पहली का निर्देशन रोहन सिप्पी करेंगे, जिन्होंने ब्लफमास्टर और दम मारो दम का निर्देशन किया था। सिप्पी ने कहा, ताहा स्क्रीन पर यूनिक एनर्जी और प्रेजेंस लेकर आते हैं। मैंने उन्हें ताज और हीरामंडी में देखा है और अपने काम के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और दर्शकों से जुड़ने की उनकी क्षमता सराहनीय है। ताहा ने ताज डिवाइडेड बाय ब्लड और पारो द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ स्लेवरी जैसे प्रोजेक्ट्स पर भी काम किया है।

जैस्मिन–अली के ब्रेकअप की खबर ने तोड़ा फैंस का दिल, एक्ट्रेस के इस पोस्ट ने बढ़ाई चिंता

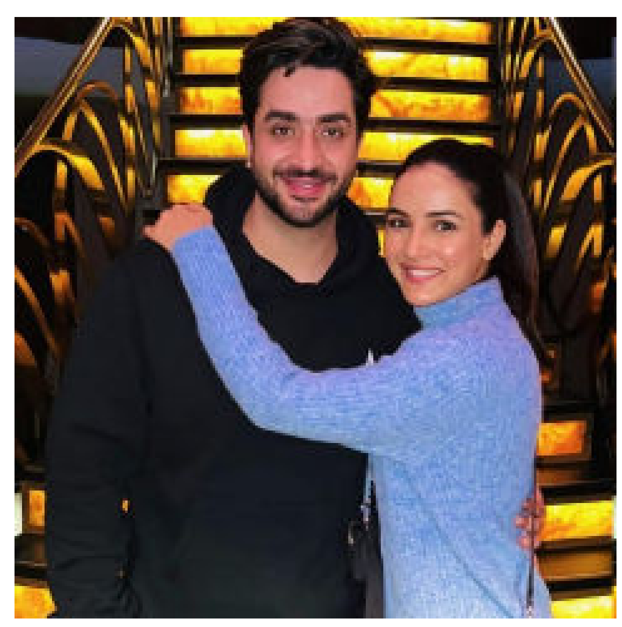

टीवी के फेवरेट कपल जैस्मीन भसीन और एली गोनी के बीच का प्यार तो किसी से छिपा नहीं है। इन दोनों ने हर सुख– दुख में एक दूसरे का साथ दिया। फैंस का दिल तब टूटा जब खबर आई कि ये कपल अब अलग होने जा रहा है। इस अफवाहों को हवा दी जैस्मिन ने एक पोस्ट जो देखते ही देखते वायरल हो गया। दरअसल एक दिन पहले जैस्मीन ने जैस्मिन भसीन ने अपने एक्स हैंडल पर लव लीविंग से जुड़ा एक ट्वीट किया। उन्होंने लिखा था– प्यार के बारे में सबसे अजीब बात है, इसका अहसास तब ज्यादा होता है, जब छोड़ने की बात आती है। ऐसे में लोगों ने अंदाजा लगाना शुरू कर दिया कि उनका अली के साथ ब्रेकअप हो गया है। इन सब अफवाहों से परेशान होकर जैस्मीन को फिर एक पोस्ट करना पड़ा। उन्होंने एक्स हैंडल पर लिखा– "याद रखें कि साझा की गई हर चीज किसी की वास्तविकता को नहीं दर्शाती है। पोस्ट और उद्धरण यादृच्छिक विचार हो सकते हैं, किसी के जीवन की झलक नहीं। आइए जजमेंट और अनुमान लगाना बंद करें। इसके बजाय दयालुता और समझ फैलाएं। उनके इस पोस्ट पर लोगों ने अपनी राय देते हुए कहा– "बस नफरत करने वालों को अनदेखा करें और अच्छे पक्ष पर ध्यान दें"। एक फैन ने लिखा–, "उन पर ध्यान न दें जस। कुछ लोग हमेशा हर चीज में नकारात्मकता ढूंढते हैं। लेकिन हम आप दोनों से प्यार करते हैं। रुश्रेंस्लपंदे की ओर से आपको ढेर सारा प्यार और सकारात्मकता भेज रहे हैं।" खैर फैंस इस बात से भी खुश हैं कि दोनों के रिश्ते में दरार नहीं आई है।

सैफ-अमृता के बेटे Ibrahim को डेट कर रही हैं पलक तिवारी श्वेता तिवारी ने तोड़ी चुप्पी

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी भी अपनी मां के नक्शेकदम पर चलते हुए धीरे–धीरे एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपनी पहचान बना रही हैं. पलक ने हार्डी संधू के साथ हिट म्यूजिक वीडियो 'बिजली बिजली' से ध्यान खींचा था. ये वीडियो सॉन्ग काफी वायरल हुआ था. वहीं पिछले साल पलक ने सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था. प्रोफेशनल लाइफ के साथ ही श्वेता तिवारी की बेटी पलक अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में रहती हैं. रूमर्स है कि पलक अमृता सिंह और सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान को डेट कर रही हैं. दोनों अक्सर लंच और डिनर डेट पर स्पॉट किए जाते हैं. वहीं अब पलक की मां श्वेता ने अपनी बेटी के इब्राहिम संग डेटिंग रूमर्स पर चुप्पी तोड़ी है. श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी भी अपनी मां के नक्शेकदम पर चलते हुए धीरे–धीरे एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपनी पहचान बना रही हैं प्रोफेशनल लाइफ के साथ ही श्वेता तिवारी की बेटी पलक अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में रहती हैं। एक इंटरव्यू के दौरान श्वेता तिवारी ने अपनी बेटी पलक के इब्राहिम अली खान संग रिश्ते की अफवारों पर बात की. श्वेता ने कहा, "पलक अभी स्ट्रॉन्ग हैं, लेकिन कल कोई कमेंट या आर्टिकल उनके स्लेफ कॉन्फिडेंस को ठेस पहुंचा सकता है. वह अभी भी बच्ची है. कभी–कभी चीजें इतनी क्रूर हो जाती हैं, जैसे उसका हर दूसरे लड़के के साथ अफेयर हो! मुझे भी नहीं पता कि वह ये सब कब तक बर्दाश्त करेगी. यहां तक कि वह अपनी डेटिंग की अफवाहों को लेकर भी हैरान हैं. वह इसका मजाक उड़ाती है, लेकिन कई बार चीजें उसे परेशान कर सकती हैं। श्वेता ने पलक की स्लिम फिगर को लेकर होने वाले क्रिटिस्जिम पर भी बात की. श्वेता ने कहा, "इससे उसे कोई फर्क भी नहीं पड़ता. शुरू में उसे यह महसूस होता था लेकिन अब वह जानती है कि ऐसे बहुत से लोग हैं जो उसके जैसे दिखते हैं और उसके जैसा दिखना चाहते हैं. वह जानती है कि उसने बहुत मेहनत से यह मुकाम हासिल किया है। पलक तिवारी और इब्राहिम अली खान ने पहली बार 2022 में सुर्खियां बटोरीं थी. उन्हें पपराजी द्वारा एक साथ देखा गया था. इसके बाद, श्वेता तिवारी की बेटी ने अपना चेहरा छिपा लिया क्योंकि पैपराजी ने इब्राहिम के साथ उनकी तस्वीरें क्लिक कर ली थी. इसके बाद दोनों कई बार साथ नजर आए जिसके चलते पलक और इब्राहिम के डेटिंग रूमर्स फैल गए. हालाँकि, बाद में, सिद्धार्थ कन्नन के साथ एक इंटरव्यू में बिजली बिजली गर्ल ने क्लियर किया कि वे सिर्फ 'अच्छे दोस्त' हैं।

हाथ-पैर सुन्न होने का कारण विटामिन बी12, जानिए बॉडी के लिए कितना जरूरी?

विटामिन बी12 शरीर के लिए बहुत जरूरी है। यह रेड ब्लड सेल्स के निर्माण में मदद करता है, जिससे शरीर के विभिन्न हिस्सों में ऑक्सीजन पहुंचाई जाती है। यह डीएनए और आरएनए के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मस्तिष्क के कार्यों और मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी विटामिन ठ12 आवश्यक है। इसकी कमी से एनीमिया, थकान और तंत्रिका संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

विटामिन बी12 की कमी होने पर कैसे लक्षण दिखते हैं?

विटामिन बी12 की कमी से शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं की संख्या कम हो जाती है, जिससे थकान, कमजोरी, और साँस लेने में कठिनाई हो सकती है।

विटामिन बी12 की कमी से हाथ–पैरों में झुनझुनी, सुन्नपन, संतुलन में कठिनाई, और यहाँ तक कि याददाश्त में कमी जैसी समस्याएँ हो सकती हैं।

विटामिन बी12 की कमी मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है, जिससे मूड स्विंग्स, चिंता, और डिप्रेशन हो सकता है।

इसकी कमी के कारण त्वचा पीली, सूखी या बेजान हो सकती है और बाल झड़ने की समस्या भी हो सकती है।

विटामिन बी12 की कमी से जीभ पर घाव, मुंह में छाले, और स्वाद में बदलाव जैसे लक्षण हो सकते हैं।

विटामिन बी12 कैसे बढ़ाएं?

विटामिन बी12 युक्त आहार का सेवन करें जैसे मांस, मछली, अंडे, और डेयरी उत्पाद खाए। अगर आपके डॉक्टर सलाह देते हैं, तो विटामिन ठ12 इंजेक्शन भी लिया जा सकता है। विटामिन बी12 की पर्याप्त मात्रा बनाए रखना शरीर के लिए बहुत जरूरी है, क्योंकि इसकी कमी से गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं इसलिए, अगर कोई लक्षण महसूस हो, तो डॉक्टर से परामर्श करना महत्वपूर्ण है।

इस रक्षाबंधन घर पर बनाएं मटका केसर फिरनी, इसके आगे फीके पड़ जाएंगे सब पकवान

अगस्त के महीने में तमाम व्रत और त्योहार पड़ रहे हैं। इसी क्रम में 19 अगस्त 2024 को रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाएगा। इस पर्व को भाई–बहन के प्यार के प्रतीक के तौर पर मनाया जाता है। ऐसे में हर बहन अपने भाई के लिए मीठे व्यंजन बनाकर तैयार करती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपके साथ एक बहुत सरल मीठी रेसिपी शेयर करने जा रहे हैं। इस रेसिपी को फिरनी कहा जाता है और मिट्टी के बर्तन में परोसने के कारण इसको मटका फिरनी कहा जाता है। बता दें कि जब इस व्यंजन को मिट्टी के बर्तन में परोसा जाता है, तो इसका स्वाद दोगुना हो जाता है और इसे एक अलग फ्लेवर मिलता है। साथ ही यह इसे देशी अंदाज देने का काम करता है। हालांकि आप इसे निकालने के लिए सिर्फ मिट्टी का ही नहीं बल्कि किसी भी बर्तन का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसको परोसने के दौरान ध्यान रखें कि आप जिस भी बर्तन में इस व्यंजन को निकाल रही हैं, उसकी तली की मोटाई ज्यादा होनी चाहिए। ऐसे में आप भी इस रक्षाबंधन घर पर आसानी से मटका केसर फिरनी बना सकती हैं।

मुख्य पकवान के लिए

डेयरी और चीज– 1/2 लीटर

चावल और ब्रेड– 1 कप

डेयरी और पनीर– 1 जरूरत के अनुसार

ऐसे बनाएं

सबसे पहले एक पैन में दूध डालें और उसमें केसर डालकर अच्छे से पकाएं। आपको दूध को तब तक चलाते रहना है, जब तक यह गाढ़ा न हो जाए। इसके बाद पैन में सूजी और चावल डाल दें और मीडियम आंच पर पकने दें। अब इसमें केसर डालें और 8–10 मिनट कर चावल के साथ पकाएं।

क्या प्लास्टिक से बच्चों को हो रहा है ऑटिज्म? विस्तार से जानें इस बारे में

हाल में प्रकाशित एक अध्ययन ने ऑटिज्म के विकास में प्लास्टिक की भूमिका के बारे में मीडिया का ध्यान आकर्षित किया है। विशेष रूप से, अध्ययन में ठोस प्लास्टिक के एक घटक – बिस्फेनॉल ए, या बीपीए – के गर्भ में शिशु के संपर्क में आने और लड़कों में तंत्रिका विकास से जुड़े इस विकार के विकसित होने के जोखिम पर ध्यान केंद्रित किया गया। महत्वपूर्ण बात यह है कि अध्ययन से यह पता नहीं चलता कि बीपीए युक्त प्लास्टिक ऑटिज्म का कारण बनता है। लेकिन, इससे यह पता चलता है कि बीपीए शिशुओं और छोटे लड़कों में एस्ट्रोजन के स्तर में भूमिका निभा सकता है, जो उनके ऑटिज्म से पीड़ित होने की संभावना को प्रभावित कर सकता है। आइए विस्तार से जानें।

बीपीए क्या है?

बीपीए ठोस प्लास्टिक का एक घटक है जिसका उपयोग कुछ दशकों से किया जा रहा है। चूंकि, बीपीए भोजन और कुछ पेय पदार्थों के कंटेनर में इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक में पाया जाता है, इसलिए कई लोग हर दिन मामूली रूप से बीपीए के संपर्क में आते हैं। बीपीए हमारे स्वास्थ्य पर किस प्रकार प्रभाव डालता है, इस बारे में चिंताएं काफी समय से बनी हुई हैं क्योंकि यह हमारे शरीर में एस्ट्रोजन हार्मोन के प्रभावों को भी कमतर कर सकता है। हालांकि, यह क्रिया कमजोर है, फिर भी स्वास्थ्य को लेकर चिंताएं हैं क्योंकि हम अपने पूरे जीवनकाल में बीपीए के निम्न स्तर के संपर्क में रहते हैं। कुछ देशों ने एहतियात के तौर पर शिशु के लिए उपयोग होने वाली बोतलों में बीपीए पर प्रतिबंध लगा दिया है। ऑस्ट्रेलिया स्वेच्छा से इसे धीरे–धीरे शिशु बोतलों से हटा रहा है।

ऑटिज्म क्या है और इसके क्या कारण हैं?

ऑटिज्म एक तंत्रिका विकास से जुड़ा विकार है जिसका पता सामाजिक संचार में कठिनाई और दोहराव या प्रतिबंधात्मक व्यवहार के आधार पर लगाया जाता है। ऑटिज्म से पीड़ित लोगों को अन्य समस्याएं भी हो सकती हैं, जैसे दौरे पड़ना, 'मोटर कार्यों' में परिवर्तन (उदाहरण के लिए, पेंसिल पकड़ने या दरवाजा खोलने के लिए चाबी घुमाने में समस्या आना), चिंता, नींद की समस्याएं और पेट की गड़बड़ी। अब तक के अधिकांश अध्ययनों में ऑटिज्म से पीड़ित ऐसे लोगों का वर्णन किया गया है जो समुदाय में बहुत अच्छी तरह से बातचीत करने में सक्षम हैं, और वास्तव में कुछ क्षेत्रों में उत्कृष्ट कौशल प्रदर्शित कर सकते हैं। लेकिन, बड़ी संख्या में गंभीर रूप से पीड़ित लोगों के बारे में हमारे ज्ञान में एक बड़ा अंतर है, जिन्हें 24 घंटे देखभाल की आवश्यकता होती है।

ऑटिज्म के लिए यह है जिम्मेदार

ऑटिज्म में आनुवंशिकी का बहुत प्रभाव होता है, जिसके साथ 1,000 से अधिक जीन जुड़े होते हैं। लेकिन हम नहीं जानते कि ज्यादातर मामलों में ऑटिज्म का कारण क्या होता है। ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों के लिए विस्तृत जीन अनुक्रमण करना मानक अभ्यास नहीं है। हालांकि, कुछ प्रकार के ऑटिज्म के लिए स्पष्ट रूप से कुछ व्यक्तिगत जीन जिम्मेदार हैं, लेकिन अक्सर ऑटिज्म कई जीन की जटिल परस्पर क्रिया का परिणाम हो सकता है जिसका पता लगाना बहुत मुश्किल होता है। पर्यावरणीय कारक भी ऑटिज्म के विकास में योगदान कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, कुछ 'एंटीसीजरश दवाएं अब गर्भवती महिलाओं को नहीं दी जाती हैं क्योंकि उनके बच्चों में ऑटिज्म जैसे तंत्रिका विकास से जुड़े विकार विकसित होने का जोखिम बढ़ जाता है। यह नवीनतम अध्ययन एक अन्य संभावित पर्यावरणीय कारक पर नजर डालता है, जो गर्भ में बीपीए के संपर्क में आने से संबंधित है। शोध के कई भाग थे, जिनमें मनुष्यों और चूहों पर किए गए अध्ययन शामिल थे।

शोध में मनुष्यों में क्या पाया गया?

शोधकर्ताओं ने 1,074 ऑस्ट्रेलियाई बच्चों के एक समूह का अध्ययन किया, जिनमें से लगभग आधे लड़के थे। उन्होंने पाया कि 43 बच्चों (29 लड़के और 14 लड़कियां) में सात से 11 वर्ष की आयु (औसत आयु नौ वर्ष) तक में ऑटिज्म के बारे में पता लग चुका था। शोधकर्ताओं ने गर्भावस्था के अंतिम चरण में 847 माताओं के मूत्र के नमूने एकत्र किये और बीपीए की मात्रा मापी। फिर उन्होंने बीपीए के उच्चतम स्तर वाले नमूनों पर अपना विश्लेषण केंद्रित किया। उन्होंने जन्म के समय गर्भनाल से रक्त का विश्लेषण करके जीन परिवर्तनों को भी मापा। यह 'एरोमाटेज एंजाइम गतिविधिश की जांच करने के लिए था, जो एस्ट्रोजन के स्तर से जुड़ा हुआ है। जिन बच्चों में जीन परिवर्तन हुआ और जो एस्ट्रोजन हार्मोन के निम्न स्तर का संकेत दे सकता है, उन्हें 'कम एरोमाटेज गतिविधिश के रूप में वर्गीकृत किया गया। शोधकर्ताओं ने उच्च बीपीए स्तर वाली माताओं और कम 'एरोमाटेज गतिविधिश वाले लड़कों में ऑटिज्म के अधिक जोखिम के बीच संबंध पाया। अंतिम विश्लेषण में, शोधकर्ताओं ने कहा कि ऑटिज्म से पीड़ित तथा एरोमाटेज के निम्न स्तर वाली लड़कियों की संख्या बहुत कम थी, जिनका विश्लेषण किया जा सके।

रक्षाबंधन पर ग्लैमरस बनें, शानदार दिखने के लिए फॉलो करें ये फैशन टिप्स

रक्षाबंधन भाई–बहनों के बीच खास बंधन का सम्मान करने के लिए एक प्यारा उत्सव है। जब आप उत्सव की तैयारी कर रहे हों, तो ऐसे परिधान और एक्सेसरीज़ चुनें जो परंपरा और आधुनिकता का मेल हों। यहां कुछ जरूरी एक्सेसरीज दी गई हैं जो यह सुनिश्चित करेंगी कि आप उत्सव के दौरान अच्छे दिखें और सहज कैसे महसूस करें।

सुंदर एथनिक वियर करें

रक्षाबंधन के आउटफिट्स में आमतौर पर साड़ी, लहंगा और सलवार कमीज शामिल होते हैं। खूबसूरत और आरामदायक कपड़ों का चयन करें, जो पारंपरिक शैली के साथ समकालीन डिजाइन प्रदान करते हैं, जो एक स्थायी छाप छोड़ने के लिए एकदम सही हैं।

फेस्टिव सामान

अपने पहनावे में चमचमाती ज्वैलरी पहनकर थोड़ी शान जोड़ें। अपने पहनावे से मेल खाने वाले झुमके, चूड़ियां और हार जैसे आकर्षक आभूषण चुनें। सुनिश्चित करें कि आपके एक्सेसरीज आपके पहनावे को पूरा करें न कि उसे छिपाएं, जिससे आपका पहनावा संतुलित और आकर्षक दिखे।

आरामदायक फुटवियर पहनें

रक्षाबंधन के लिए आरामदायक और आकर्षक फुटवियर की आवश्यकता होती है। पारंपरिक जूतियां या उत्तम सैंडल उत्सव के परिधानों के साथ बहुत अच्छे लगते हैं। ऐसे पैटर्न की तलाश करें जो आपको उत्सव के लंबे घंटों के दौरान आरामदायक बनाए रखें और साथ ही आपके पहनावे में एक फैशनेबल स्पर्श भी जोड़ें।

ग्लैमरस मेकअप और हेयर

फेस्टिव मेकअप और ट्रेंडी हेयरस्टाइल से अपने लुक को निखारें। फेस्टिव ग्लो देने के लिए गोल्ड, ब्रॉन्ज या क्रिमसन जैसे मेकअप टोन का इस्तेमाल करें। अपने फेस्टिव लुक को पूरा करने के लिए अपने मेकअप को सॉफ्ट कर्ल या टाइट ब्रेड जैसे पारंपरिक हेयरस्टाइल के साथ पेयर करें।

स्टाइलिश हैंडबैग

एक स्मार्ट पर्स एक व्यावहारिक और फैशनेबल एक्सेसरी दोनों हो सकता है। एक फैशनेबल और उपयोगी बैग चुनें जो आपकी पोशाक के साथ मेल खाता हो और जिसमें आपकी ज़रूरतों के लिए पर्याप्त जगह हो। एक अच्छी तरह से चुना गया पर्स आपके समग्र रूप को बेहतर बनाएगा और आपको पूरे उत्सव के दौरान व्यवस्थित रखेगा।

संक्षिप्त

एयरबीएनबी ने स्वतंत्रता दिवस पर पड़ने वाली छुट्टियों के मद्देनजर वीकेंड के लिए घरेलू यात्रा से संबंधित खोजों में 340% की बढ़ोतरी देखी गई

भारत में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाया जाएगा। इसके कुछ ही दिनों के बाद रक्षाबंधन का त्योहार भी मनाया जाना है। इन दोनों ही दिनों को देखते हुए इस बार लंबा वीकेंड पड़ने वाला है। भारत में लोगों को लंबे वीकेंड का काफी इंतजार रहता है। लंबे वीकेंड पर आमतौर पर लोग घूमने जाने की प्लानिंग पहले ही करने लगते है। वहीं इस लंबे वीकेंड को देखते हुए एयरबीएनबी पर काफी सर्च हुए है। दरअसल एयर बीएनबी के डाटा सर्च से पता चला है कि वीकेंड संबंधित यात्रा संबंधित सर्च में बढ़ोतरी देखने को मिली है। दरअसल इस बार 15 अगस्त गुरुवार को है। इसके बाद 16 अगस्त को छुट्टी लेकर लोग लंबे वीकेंड का मजा ले सकते है। वहीं सोमवार 19 अगस्त को रक्षाबंधन का त्योहार है, जिसे देखते हुए लोग 15 अगस्त से 19 अगस्त तक लंबी छुट्टियों का आनंद ले सकते है। इन छुट्टियों को देखते हुए भारतीय यात्री विस्तारित अवकाश का अधिकतम लाभ उठाने के लिए घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय यात्राओं की उत्सुकता से योजना बना रहे हैं। आंकड़ों से पता चला है कि स्वतंत्रता दिवस और रक्षा बंधन के लंबे सप्ताहांत के दौरान एयरबीएनबी पर ठहरने के लिए घरेलू खोजों में लगभग 340: की वार्षिक वृद्धि हुई है। सबसे लोकप्रिय स्थलों में गोवा, लोनावाला, पुडुचेरी, मुंबई, बेंगलुरु, नई दिल्ली और उदयपुर शामिल हैं, जो समुद्रतटीय स्थलों, पर्वतीय स्टेशनों और सांस्कृतिक केंद्रों के प्रति मजबूत पसंद को दर्शाता है। जानकारों का कहना है कि घरेलू यात्रा में इतनी मजबूत रुचि देखकर कंपनियां भी काफी रोमांचित है। यात्रियों के बीच एयर बीएनबी की अलग अलग पेशकशों के जरिए पैदा हुई उत्सुकता को दर्शाती है।

रेलवे ने 100 वंदे भारत ट्रेनों के लिए रद्द किया टेंडर, जानें क्या है असली वजह

भारतीय रेलवे ने कथित तौर पर एल्सटॉम इंडिया को 100 एल्युमीनियम बॉडी वाली वंदे भारत ट्रेनों के निर्माण और रखरखाव के लिए दिए गए 30,000 करोड़ रुपये के टेंडर को रद्द कर दिया है। रद्दीकरण की पुष्टि एल्सटॉम इंडिया के एमडी ओलिवियर लोइसन ने की। एक रिपोर्ट के अनुसार, लोइसन ने कहा कि भारतीय रेलवे ने ऑर्डर रद्द कर दिया है, लेकिन अगर जरूरत पड़ी तो कंपनी भविष्य में इस विजन को साकार करने में सहयोग करने के लिए पूरी तरह तैयार है। रिपोर्ट के अनुसार, टेंडर पैनल ने पाया कि कंपनी की प्रत्येक ट्रेन के लिए 150.9 करोड़ रुपये की बोली बहुत अधिक थी, और उनसे इसे 140 करोड़ रुपये पर सीमित करने का आग्रह किया। एल्सटॉम इंडिया 145 करोड़ रुपये प्रति ट्रेन सेट पर सौदा पक्का करना चाहती थी। यह 30,000 करोड़ रुपये के टेंडर के लिए सबसे कम बोली लगाने वाली कंपनी थी, और इसका लक्ष्य सभी 100 वंदे भारत रेक का निर्माण करना था। अन्य बोलीदाता, स्विस निर्माता स्टैडलर रेल और हैदराबाद स्थित मेधा सर्वो ड्राइव्स के एक संघ ने प्रति ट्रेन सेट 170 करोड़ रुपये की बोली लगाई। रिपोर्ट में एक अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि 200 वंदे भारत स्लीपर ट्रेन सेट बनाने का पिछला अनुबंध 120 रुपये प्रति रेक पर दिया गया था। एक अन्य अधिकारी ने सर्वोत्तम मूल्य प्राप्त करने के लिए प्रतिस्पर्धा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि निविदा के अगले दौर में कई खिलाड़ियों को आमंत्रित किया जाएगा, जबकि पिछले दौर में केवल दो खिलाड़ी ही शामिल थे। निविदा के लिए अर्हता प्राप्त करने के लिए पात्रता मानदंडों में अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) सुविधा शामिल है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे एक प्रोटोटाइप का निर्माण कर सकें और साथ ही प्रति वर्ष कम से कम पांच ट्रेन सेट को असेंबल करने की क्षमता भी रखते हों। रिपोर्ट में कहा गया है कि विजेता बोलीदाता को ट्रेन सेट की डिलीवरी पर 13,000 करोड़ रुपये मिलेंगे और शेष 17,000 करोड़ रुपये 35 वर्षों में रखरखाव के लिए भुगतान किए जाएंगे।

शेयर बाजार में बढ़ोतरी, अडानी एनर्जी के शेयर भी उछले

भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत मंगलवार 13 अगस्त को हल्की गिरावट के साथ हुई है। इस दौरान सेंसेक्स और निफ्टी की शुरुआत लाल निशान के साथ हुई। बाजार खुलने के बाद शेयर ऊपर चढ़ने की कोशश कर रहे है। निफ्टी के शेयरों में से कुल 1531 में बढ़ोतरी देखने को मिली है, जबकि 501 शेयर गिरावट के साथ कारोबार कर रहे है। बता दें कि इस दौरान बीएसई का 30 शेयर वाला सूचकांक सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 134.27 अंक गिरकर 79,514.65 अंक पर कारोबार कर रहा था। वहीं एनएसई निफ्टी 38.65 अंक फिसलकर 24,308.35 अंक पर रहा। सेंसेक्स में सूचीबद्ध 30 कंपनियों में से एचडीएफसी बैंक, टाटा मोटर्स, एशियन पेंट्स, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे। भारती एयरटेल, सन फार्मा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और एक्सिस बैंक के शेयर लाभ में रहे। अदाणी समूह की 10 सूचीबद्ध कंपनियों में से नौ के शेयर में सोमवार को दिन के कारोबार में भारी गिरावट आई थी, जिसने शुरुआती कारोबार में आज वापसी की। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी तथा चीन का शंघाई कम्पोजिट नुकसान में रहे, जबकि जापान का निक्की–225 और हांगकांग का हैंगसेंग फायदे में रहा। अमेरिकी बाजार सोमवार को मिले–जुले रुख के साथ बंद हुए थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.90 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81.56 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पूंजी बाजार में सोमवार को बिकवाल रहे और शुद्ध रूप से 4,680.51 करोड़ रुपये की कीमत के शेयर बेचे। अडानी ग्रूप की 10 कंपनियों में से नौ में उछाल देखने को मिला है। हालांकि सोमवार को शेयरों में गिरावट देखने को मिली थी। अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयर मंगलवार को छह प्रतिशत बढ़े है।

दलीप ट्रॉफी के फॉर्मेट में हुआ बदलाव, स्टार क्रिकेटर्स खेलेंगे, जानें पूरा शेड्यूल

दलीप ट्रॉफी को इस साल के आखिर में ऑस्ट्रेलिया दौरे की तैयारी कार्यक्रम केरूप में भी देखा जा रहा है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, शुभमन गिल, केएल राहुल, अक्षर पटेल, रविंद्र जडेजा, यशस्वी जायसवाल, सूर्यकुमार यादव और कुलदीप यादव को भी दलीप ट्रॉफी में खेलने के लिए कहा गया है।

भारतीय क्रिकेट टीम के सीनियर खिलाड़ी दलीप ट्रॉफी टूर्नामेंट में खेलते हुए नजर आएंगे हैं। पिछले सीजन में हनुमा विहारी की अगुवाई वाले साउथ जोन ने बेंगलुरु में फाइनल में वेस्ट जोन को 75 रन से हराकर खिताब जीता था। दलीप ट्रॉफी जिसे मुख्य रूप से भारत की घरेलू टेस्ट सीरीज के तौर पर जाना जाता है, इस बार उसकी संरचना और समग्र प्रणाली में बदलाव देखने को मिलेगा। दलीप ट्रॉफी को इस साल के आखिर में ऑस्ट्रेलिया दौरे की तैयारी कार्यक्रम केरूप में भी देखा जा रहा है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, शुभमन गिल, केएल राहुल, अक्षर पटेल, रविंद्र जडेजा, यशस्वी जायसवाल, सूर्यकुमार यादव और कुलदीप यादव को भी दलीप ट्रॉफी में खेलने के लिए कहा गया है। बीसीसीआई ने इस बार 6 टीम जोनल फॉर्मेट और जोनल सेलेक्शंस को खत्म करने का फैसला किया है। इसकी जगह, इस बार टूर्नामेंट में भारत ए, भारत बी, भारत सी और भारत डी नाम की 4 टीमें हिस्सा लेंगी। टीमों का चयन अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली वरिष्ठ राष्ट्रीय चयन समिति द्वारा किया जाएगा। इस साल दलीप ट्रॉफी राउंड–रॉबिन लीग–आधारित फॉर्मेट में खेली जाएगी। इसमें कोई नॉकआउट मैच नहीं होगा। तीन राउंड के बाद स्टैंडिंग में टॉप पर रहने वाली टीम को विजेता घोषित किया जाएगा।

दलीप ट्रॉफी का समय और तारीख

दलीप ट्रॉफी मुख्य रूप से आंध्र–प्रदेश के अनंतपुर में अनंतपुर क्रिकेट ग्राउंड परिसर के भीतर दो स्थानों पर खेली जाएगी। इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, पहले दौर का एक मैच बैंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में भी आयोजित किया जाएगा। ये टूर्नामेंट 5 सितंबर से 22 सितंबर तक तीन राउंड में चलेगा। वहीं कहा जा रहा है कि, शुभमन गिल, केएल राहुल, अक्षर पटेल, रविंद्र जडेजा, यशस्वी जायसवाल, सूर्यकुमार यादव, कुलदीप यादव को दलीप ट्रॉफी में खेलने के लिए कहा गया है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे क्योंकि उन्हें लंबे समय तक आराम दिया गया है। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली के भी टूर्नामेंट के एक दौर में खेलने की संभावना है। रोहित ने 2016 में दलीप ट्रॉफी में आखिरी बार हिस्सा लिया था। जबकि कोहली ने 2012 में ये घरेलू टूर्नामेंट खेला था।

दलीप ट्रॉफी का पूरा शेड्यूल

5–8 सितंबर 2024– भारत ए बनाम भारत बी– ग्रामीण विकास ट्रस्ट स्टेडियम, अनंतपुर

5–8 सितंबर 2024– भारत सी बनाम भारत डी– एसीए एडीसीए ग्राउंड, अनंतपुर

12–15 सितंबर 2024– भारत बी बनाम भारत सी– एसीए एडीसीए ग्राउंड– अनंतपुर

19–22 सितंबर 2024– भारत एक बनाम भारत सी– ग्रामीण विकास ट्रस्ट स्टेडियम, अनंतपुर

19–22 सितंबर 2024– भारत बी बनाम भारत डी– एसीए एडीसीए ग्राउंड, अनंतपुर

ईशान किशन की घरेलू क्रिकेट में वापसी, बुची बाबू टूर्नामेंट में खेलते हुए दिखेंगे

ईशान किशन घरेलू क्रिकेट में वपासी को तैयार हैं। वह 15 अगस्त से तमिलनाडु में खेले जाने वाले बुची बाबू टूर्नामेंट में झारखंड की अगुवाई करते दिखेंगे। किशन शुरुआत में झारखंड की लंबी मूल सूची का हिस्सा नहीं थे। वह बुधवार को चेन्नई में टीम से जुड़ेंगे।

टीम इंडिया के युवा बल्लेबाज ईशान किशन घरेलू क्रिकेट में वपासी को तैयार हैं। वह 15 अगस्त से तमिलनाडु में खेले जाने वाले बुची बाबू टूर्नामेंट में झारखंड की अगुवाई करते दिखेंगे। किशन शुरुआत में झारखंड की लंबी मूल सूची का हिस्सा नहीं थे। वह बुधवार को चेन्नई में टीम से जुड़ेंगे, इसे विकेटकीपर बल्लेबाज की प्रथम श्रेणी क्रिकेट में वापसी की दिशा में पहला कदम माना जा रहा है। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार इशान किशन ने टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के फैसले के बारे में झारखंड राज्य क्रिकेट संघ को बताया। इसके बाद उन्हें टीम में शामिल कर लिया गया। किशन की 2024–25 सत्र के दौरान रणजी ट्रॉफी में भी वापसी हो सकती है। घरेलू क्रिकेट में वह आखिरी बार प्रथम श्रेणी मैच दिसंबर 2022 में खेले थे। वह 2023–24 के घरेलू सत्र के अंत में रणजी ट्रॉफी से दूर रहे और ये उनके लिए महंगा साबित हुआ। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने उन्हें घरेलू क्रिकेट को प्राथमिकता नहीं देने के लिए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से बाहर कर दिया। वहीं जेएससीए के सदस्य ने कहा कि, इशान के योग्यता पर कभी सवाल नहीं था। सवाल सिर्फ ये था कि क्या वो वापसी के लिए तैयार है। फैसला उनके हाथ में था। उन्हें शुरुआती सूची में शामिल नहीं किया गया क्योंकि हमने उनसे कुछ पता नहीं चला था। जिस पल उन्होंने वापसी की इच्छा जताई, उन्हें टीम में शामिल कर लिया गया।

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर ने PCB को चेताया, कहा– कर ले ये काम नहीं तो गंवानी पड़ सकती है चौंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी

अगले साल मार्च में पाकिस्तान को चौंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करनी है। 1996 के बाद पहली बार पाकिस्तान किसी आईसीसी ट्रॉफी की मेजबानी करने जा रहा है। हालांकि, भारत इसमें खेलेगा या नहीं, मैच तटस्थ स्थान पर केले जाएंगे या नहीं इसे लेकर अभी भी संशय है। वहीं इस बीच पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेर बासित अली ने पीसीबी को चेताया है। बासित अली का कहना है कि चौंपियंस ट्रॉफी से पहले बांग्लादेश, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज को पाकिस्तान आना है। ये दौरे बहुत अहम है, बासित अली ने कहा कि, पाकिस्तान में चौंपियंस ट्रॉफी होने वाली है। इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और बांग्लादेश को पाकिस्तान का दौरा करना है तो हमें सुरक्षा पर अतिरिक्त ध्यान देना होगा। बासित अली ने कहा कि अगर इन टीमों के पाकिस्तान दौरे के दौरान कुछ भी हुआ तो चौंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी भी छिन सकती है। हमारे जवान बलूचिस्तान और पेशावर में शहीर हो रहे हैं।

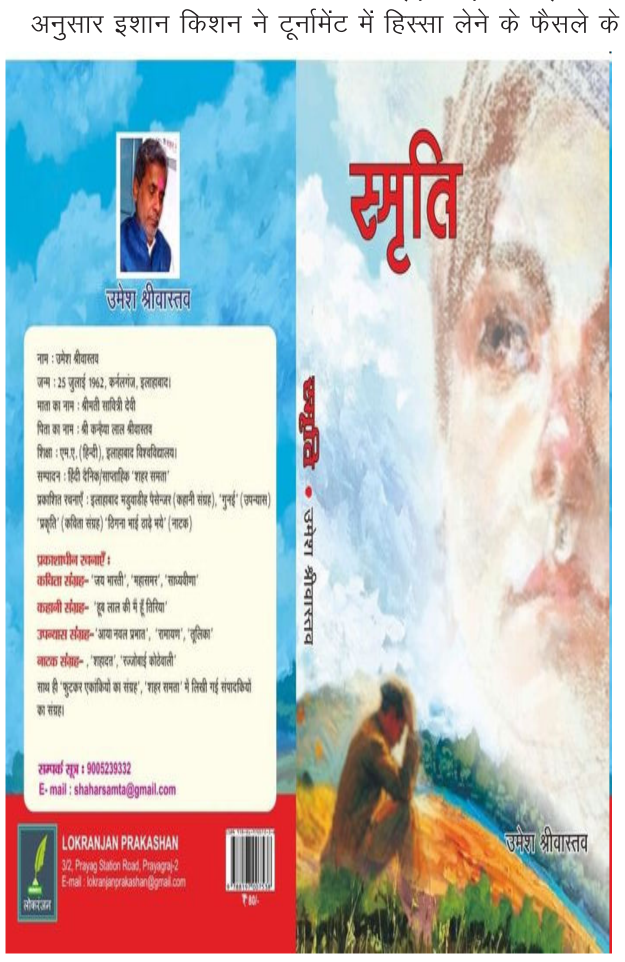

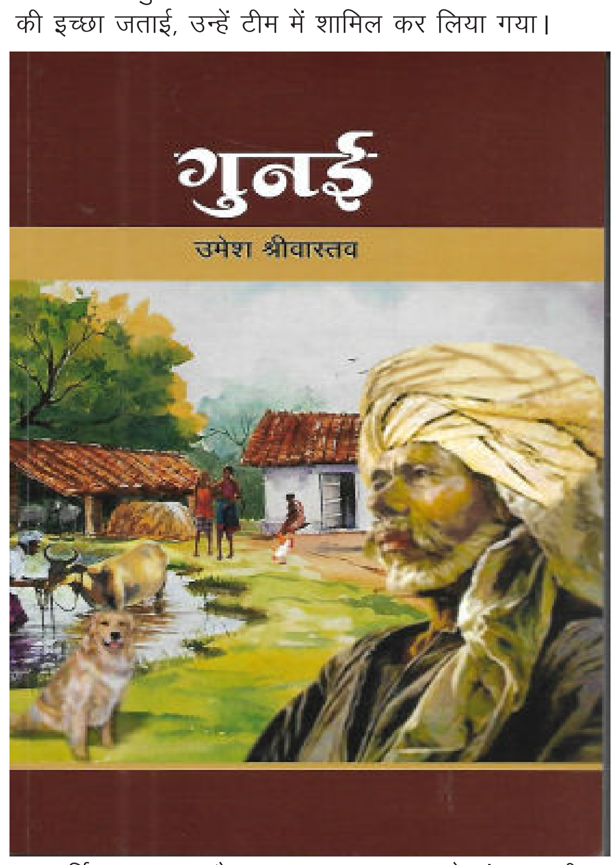

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

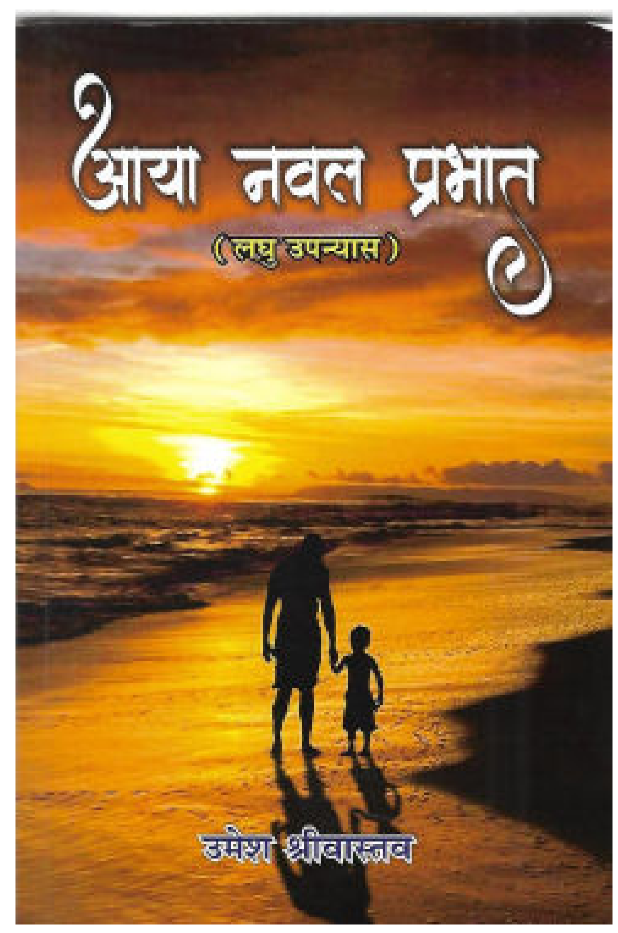

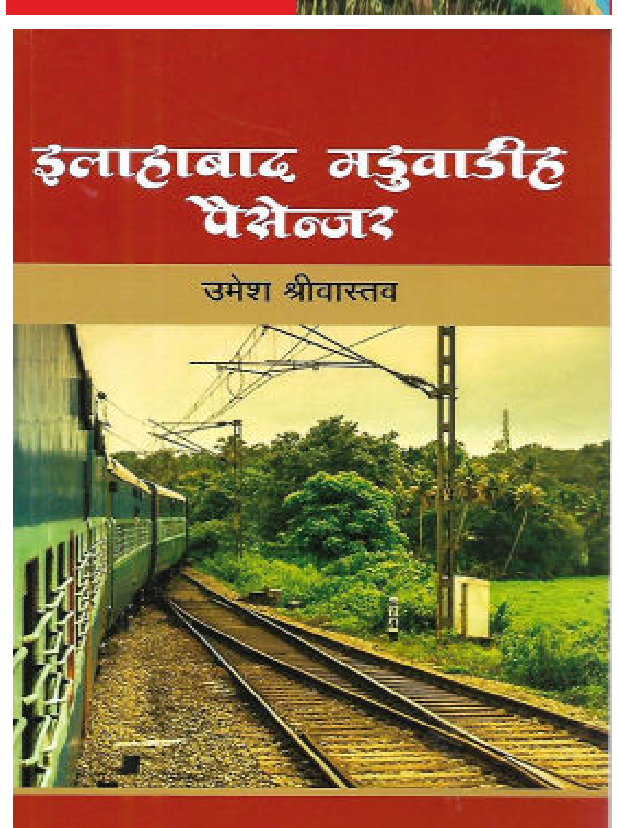

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

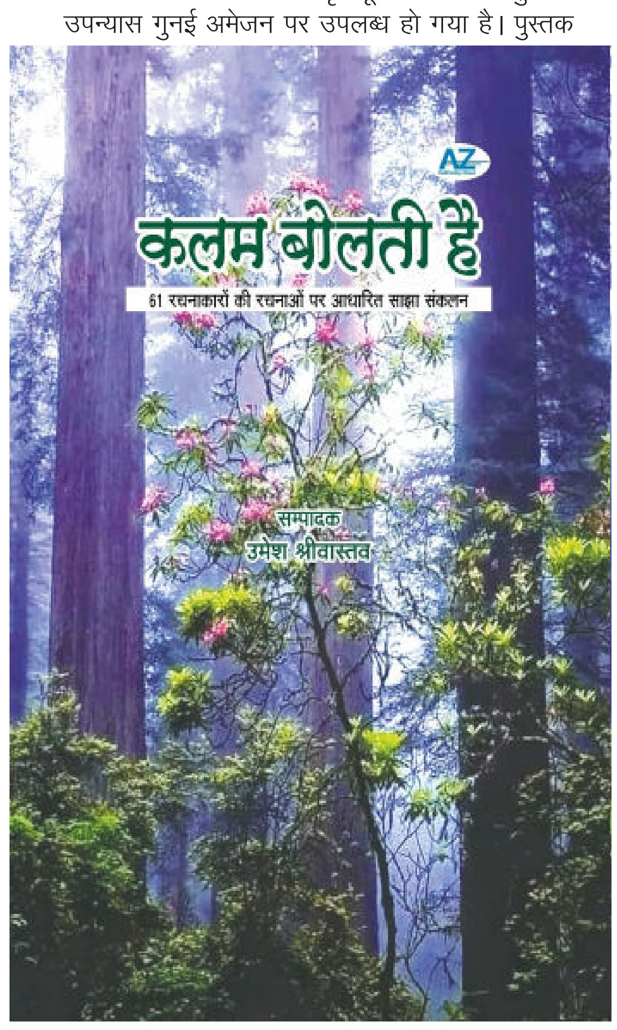

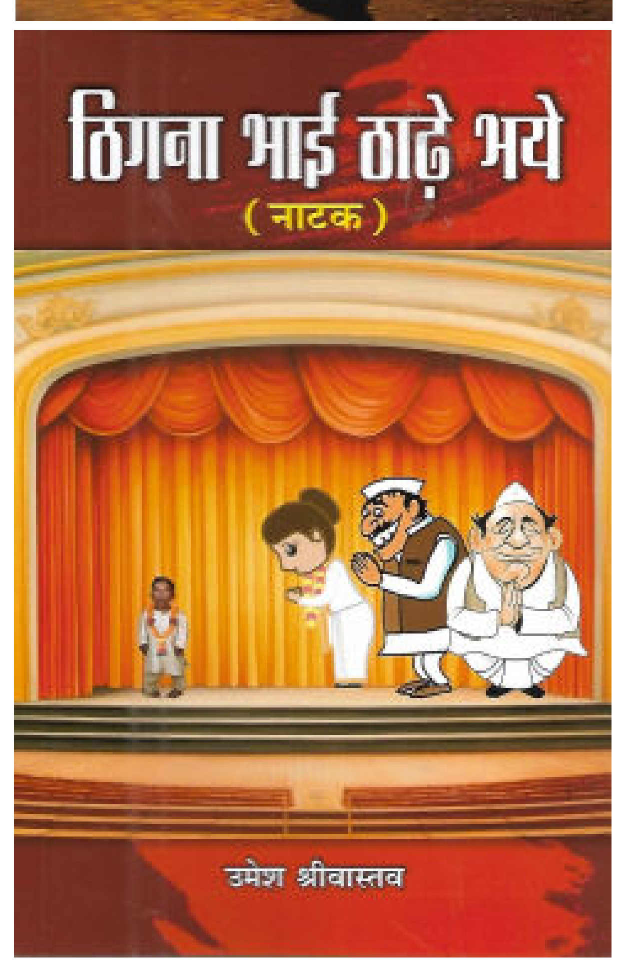

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

एलन मस्क ने किया डोनाल्ड ट्रंप का इंटरव्यू, अचानक हो गया डीडीओएस अटैक

अरबपति उद्यमी और एक्स के सीईओ एलन मस्क ने आज अपने सोशल मीडिया नेटवर्क पर डोनाल्ड ट्रम्प का साक्षात्कार लिया। वैसे तो प्रोग्राम भारतीय समयानुसार सुबह 5:30 बजे शुरू होने वाला था, लेकिन डीडीओएस अटैक की वजह से इसमें 40 मिनट से अधिक की देरी हुई। दो घंटे से अधिक समय तक चली बातचीत के दौरान दोनों ने पिछले महीने ट्रंप

पर हत्या के प्रयास के बारे में विस्तार से बात की। उनकी बातचीत में रिपब्लिकन उम्मीदवार ने 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों के लिए अपनी डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस पर भी हमला किया। इंटरव्यू में 1.3 मिलियन से अधिक यूजर्स शामिल हुए। ट्रम्प के लिए उस समय सुर्खियों में आने का एक अवसर था जब कमला हैरिस ने व्हाइट हाउस की दौड़ में जो बिडेन की जगह लेने के कुछ ही हफ्तों बाद जनमत सर्वेक्षणों में उनकी बढ़त को मिटा दिया था। डोनाल्ड ट्रंप ने 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में उनका समर्थन करने के लिए एलन मस्क की प्रशंसा की है। रिपब्लिकन उम्मीदवार ने अरबपति से कहा कि आपका समर्थन मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मस्क ने कहा कि देश की भलाई के लिए आपका जीतना वास्तव में जरूरी है।

लोग अमेरिकी सपने को वापस चाहते हैंरू डोनाल्ड ट्रम्प

डोनाल्ड ट्रंप ने एलन मस्क के साथ साक्षात्कार में कहा कि लोग किसी भी अन्य चीज से ज्यादा अमेरिकी सपने को वापस चाहते हैं। आज आपके पास वह नहीं है क्योंकि हमारे देश को चलाने वाले लोग बेकार हैं – वे अक्षम लोग हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने आज रूस, चीन और उत्तर कोरिया प्रमुखों की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे अपने खेल में शीर्ष पर हैं और उनसे निपटने के लिए अमेरिका को एक मजबूत राष्ट्रपति की जरूरत है।

आतंकी समूह इस्लामिक स्टेट से संबद्ध आतंकियों ने पूर्वी कांगो में 12 लोगों की हत्या की

किंशासा (कांगो) । एक स्थानीय अधिकारी ने सोमवार को बताया कि पूर्वी कांगो में इस्लामिक स्टेट समूह से संबद्ध आतंकवादियों ने उत्तरी किवु प्रांत के कई गांवों में कम से कम 12 लोगों की हत्या कर दी है। नगरपालिका मेयर निकोल किकुकू ने राष्ट्रीय टेलीविजन पर बताया कि शनिवार को एलाइड

डेमोक्रेटिक फोर्सेस के लड़ाकों ने मुकोनिया गांव में लोगों पर हमला किया। मेयर ने कहा कि मृतकों की संख्या अधिक हो सकती है क्योंकि कई ग्रामीण अब भी लापता हैं। हाल ही में एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्सेस के हमले बढ़े हैं। पिछले जून मेंइस समूह ने उत्तरी किवु के कई गांवों में कम से कम 40 लोगों की हत्या कर दी थी। पड़ोसी देश युगांडा में पिछले साल हुए नरसंहार के पीछे भी इसका हाथ होने का संदेह है। इस नरसंहार में 41 लोग मारे गए थे, जिनमें अधिकतर छात्र थे। पूर्वी कांगो दशकों से सशस्त्र हिंसा से जूझ रहा है। कुछ सशस्त्र समूहों पर सामूहिक हत्याओं का आरोप लगाया गया है। हिंसा के कारण लगभग 70 लाख लोग विस्थापित हो गए हैं।

पाकिस्तान में आपस में ही भिड़ गए सेना और आईएसआई?

पाकिस्तान की जासूसी एजेंसी इंटर–सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के पूर्व प्रमुख फैज हमीद को आवास योजना घोटाले के सिलसिले में देश की शक्तिशाली सेना ने हिरासत में ले लिया।एक बयान में पाकिस्तानी सेना के जनसंपर्क विंग ने कहा, ष्पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का अनुपालन करते हुए, लेफ्टिनेंट के खिलाफ किए गए टॉप सिटी मामले में शिकायतों की सत्यता का पता लगाने के लिए, पाकिस्तानी सेना द्वारा एक विस्तृत जांच अदालत शुरू की गई थी।'' जनरल फ़ैज़ हमीद (सेवानिवृत्त) के परिणामस्वरूप, पाकिस्तान सेना अधिनियम के प्रावधानों के तहत लेफ्टिनेंट जनरल फ़ैज़ हमीद (सेवानिवृत्त) के खिलाफ उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की गई है।

शेख हसीना का अभी तक भारत में ही प्रवास, इधर उनके खिलाफ दर्ज हो गया मर्डर केस

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और छह अन्य के खिलाफ पिछले महीने की हिंसक झड़पों के दौरान एक किराने की दुकान के मालिक की मौत पर हत्या का मामला दर्ज किया गया है। विवादास्पद नौकरी कोटा प्रणाली को लेकर अपनी अवामी लीग के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शन के बाद पिछले हफ्ते इस्तीफा देने और भारत भाग जाने के बाद 76 वर्षीय हसीना के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। ढाका ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, मामला किराने की दुकान के मालिक अबू सईद के एक शुभचिंतक द्वारा दायर किया गया था, जो 19 जुलाई को मोहम्मदपुर में कोटा सुधार आंदोलन के समर्थन में एक जुलूस के दौरान पुलिस गोलीबारी में मारा गया था।

अन्य आरोपियों में अवामी लीग के महासचिव ओबैदुल कादर, पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल और पूर्व पुलिस महानिरीक्षक चौधरी अब्दुल्ला अल मामून शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इसके अलावा, कई अज्ञात उच्च पदस्थ पुलिस अधिकारियों और सरकारी अधिकारियों को भी मामले में आरोपी बनाया गया था। बांग्लादेश में 5 अगस्त को हसीना सरकार के पतन के बाद देश भर में भड़की हिंसा की घटनाओं में 230 से अधिक लोग मारे गए, जुलाई के मध्य में पहली बार कोटा विरोधी प्रदर्शन शुरू होने के बाद से मरने वालों की संख्या 560 हो गई है। हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के पतन के बाद एक अंतरिम सरकार का गठन किया गया था और इसके मुख्य सलाहकार, 84 वर्षीय नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस ने पिछले सप्ताह अपने 16 सदस्यीय सलाहकार परिषद के विभागों की घोषणा की थी। द डेली स्टार अखबार के अनुसार, सोमवार को अवामी लीग की कट्टर प्रतिद्वंद्वी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) सहित सात राजनीतिक दलों ने यूनुस से अलग–अलग मुलाकात की और कहा कि अंतरिम सरकार स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए आवश्यक समय ले सकती है। रिपोर्ट में बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर के हवाले से कहा गया है। हमने इस अंतरिम सरकार को चुनाव कराने के लिए उचित माहौल बनाने के लिए आवश्यक समय दिया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने चुनाव पर चर्चा नहीं की और बीएनपी ने अगला चुनाव कराने के लिए किसी विशिष्ट समय सीमा का उल्लेख नहीं किया। उन्होंने कहा कि बीएनपी अंतरिम सरकार की सभी गतिविधियों को अपना पूरा समर्थन दे रही है।

बांग्लादेश में हिंदुओं को कोई तो बचाओ! पंचगढ़ में दंगाईयों ने फूंक दिया पूरा गांव

बांग्लादेश से लगातार इस तरह की खबरें आ रही हैं जहां पर हिंदुओं को टारगेट पर लिया जा रहा है। कहीं उनके मकानों को आग के हवाले किया जा रहा है। कई दुकानों को निशाना बनाया जा रहा है। करीब बांग्लादेश के 50 ऐसे जिले हैं जहां हिंदू आबादी अच्छी खासी संख्या में है। जब से वहां तख्तापलट हुआ है वहां हिंदुओं के खिलाफ हिंसा का दौर खत्म नहीं हो रहा है। बांग्लादेश के पंचगढ़ में भी हिंदुओं को आग के हवाले कर दिया गया है। 5 अगस्त को ढाका में मांडा फार्मेसी चलाने वाले गोपाल राजबोंगशी घर पर थे, जब उन्होंने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़ने के दृश्य देखे। उन्होंने स्टोर में अपने कर्मचारियों को इकट्ठा किया, उन्हें दुकान बंद करने और घर जाने के लिए कहा। शाम 4.30 बजे तक, लोगों के एक समूह ने उनकी फार्मेसी में तोड़फोड़ की। दंगाईयों ने दुकान के शटर तोड़ दिए, दवाएं, कंप्यूटर सिस्टम और लगभग 27,000 रुपये की नकदी लूट ली। इंडियन एक्सप्रेस से बात

करते हुए राजबोंगशी ने बताया कि मेरी दुकान में लगभग 21.5 लाख रुपये की दवाएं और उपकरण थे, वे सब कुछ ले गए। जब उसने सुना कि भीड़ मुझे ढूंढ रही है तो वह घबरा गया क्योंकि वह एक स्थानीय दुर्गा मंदिर समिति का प्रमुख भी है। वह अपनी पत्नी, 11 साल के बेटे और एक साल की बेटी के साथ अपना घर छोड़कर भाग गया और पिछले एक हफ्ते से छिपकर रह रहा है। राजबोंगशी ने कहा कि मैंने पैसे खो दिए हैं, लेकिन मैं अपनी जिंदगी और अपने परिवार को नहीं खोना चाहता। राजबोंगशी बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक समुदाय के कई लोगों में से एक हैं, जिन्हें पिछले हफ्ते हमलों का सामना करना पड़ा है क्योंकि 16 साल से अधिक समय के शासन के बाद संकटग्रस्त हसीना अपने घर की ओर मार्च कर रहे गुस्साए प्रदर्शनकारियों के सामने भाग गई थी। अल्पसंख्यक समुदायों के दो संगठनों ने शनिवार को बताया कि 5 अगस्त को हसीना सरकार के पतन के बाद से 52 जिलों में हिंदू समुदाय के सदस्यों पर हमलों की कम से कम 205 घटनाएं हुई हैं। उन्होंने सप्ताहांत में भी विरोध प्रदर्शन किया। समुदाय के नेताओं ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि बांग्लादेश हिंदू, बौद्ध, ईसाई एकता परिषद और बांग्लादेश पूजा उद्जापन परिषद, अल्पसंख्यक समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले दो समूह मंगलवार को अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस से मुलाकात करेंगे।

पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के पूर्व प्रमुख फैज हमीद को सैन्य हिरासत में लिया गया : सेना

इस्लामाबाद। एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए पाकिस्तानी सेना ने सोमवार को घोषणा की कि उसने पूर्व आईएसआई प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) फैज हमीद को गिरफ्तार कर लिया है तथा एक आवास योजना घोटाले के सिलसिले में उनके खिलाफ कोर्ट मार्शल की कार्यवाही शुरू की है। सेना की मीडिया शाखा इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा, "पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय के आदेशों का पालन करते हुए, लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद (सेवानिवृत्त) के खिलाफ 'टॉप सिटी' मामले में की गई शिकायतों की सत्यता का पता लगाने के लिए पाकिस्तानी सेना द्वारा एक विस्तृत जांच की गई थी।" इसमें कहा गया, "इसके परिणामस्वरूप, पाकिस्तान सेना अधिनियम के प्रावधानों के तहत लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद (सेवानिवृत्त) के खिलाफ उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की गई है।"

रूस–यूक्रेन युद्ध में पलट गया खेल, इलाके खाली कर रूसी लोग भागने के लिए मजबूर

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के आदेश के बाद रूस और यूक्रेन की लड़ाई नए मोड़ पर पहुंचती जा रही है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद इस तरह का नजारा पुतिन को देखने को मिल रहा है। यूक्रेनी सेना रूस के भीतर तक घुस आई है। ढाई साल में पहली बार यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदमीर जेलेंस्की को लग रहा है कि अब आया ऊंट पहाड़ के नीचे। दरअसल, अब यूक्रेन की सेना पुतिन के गढ़ में घुसकर हमले बोल रही है। ठीक उसी अंदाज में जैसा की पुतिन

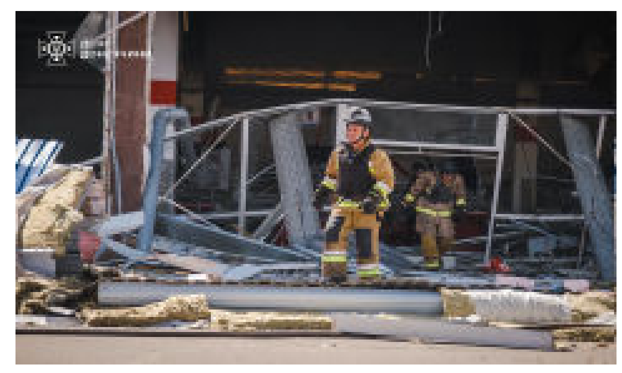

की सेना यूक्रेन पर हमले बोलती है। दुनिया को इस बात का भी डर सता रहा है कि कहीं पुतिन अब कोई बड़ा कदम न उठा ले। रूस के कर्स्क इलाके में भीषण लड़ाई छिड़ी हुई है। जिससे पुतिन खुद हैरान हैं क्योंकि उन्हें यहां रह रहे 76 हजार नागरिकों को युद्ध ग्रस्त इलाका खाली करने को कहना पड़ा है। लगभग पांच दिनों तक यूक्रेनी हमलों के बाद युद्ध के सीमावर्ती इलाकों के लोगों को भागने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

जेलेंस्की का जोश हाई

जेलेंस्की अपने सैनिकों को शाबादी देते नजर आ रहे हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने पहली बार यह बात स्वीकार की है कि उनकी सेना ने रूस के कर्स्क क्षेत्र पर हमला किया हैं। यूक्रेनी सेना रूस की सीमा के 10 किमी अंदर तक पहुंच गई है। जेलेंस्की ने कहा है कि यूक्रेन की सेना युद्ध को आक्रामक क्षेत्र की ओर धकेल रही है। जेलेंस्की ने यूक्रेन के रक्षा बलों को धन्यवाद दिया और कहा कि उन्होंने रूस में ऑपरेशन पर देश के वरिष्ठ सैन्य कमांडर ओलेक्सांद्र सिर्स्की के साथ चर्चा की थी।

दो लोगों की मौत

रूस के कर्स्क क्षेत्र पर यूक्रेन द्वारा किए गए हमले में 13 लोग घायल हो गए। रूसी हमले में कीव क्षेत्र में दो लोगों की मौतः रूस द्वारा यूक्रेन के कीव में रविवार रात भर किए गए ड्रोन और मिसाइल हमले में चार वर्षीय लड़के सहित दो लोगों की मौत हो गई।

इजरायल पर किसी भी समय हमला कर सकता है ईरान, अमेरिका–ब्रिटेन–फ्रांस ने कस ली कमर

ईरान की तरफ से इजरायल पर बहुत बड़ा हमला किया जा सकता है। ईरान के हमले की प्लानिंग का दो रिपोर्ट्स में खुलासा हुआ है। इन रिपोर्ट्स ने इजरायल के साथ साथ अमेरिका की भी चिंता बढ़ा दी है। इजराटल में विनाश को लेकर दो रिपोर्ट जारी हुई है। पहली रिपोर्ट पेंटागन की है जबकि दूसरी रिपोर्ट ईरानी सेना की मिलिट्री विंग आईआरजीसी की है। सूत्रों से जो जानकारी मिली है उसके मुताबिक ईरान ने इजरायल में चार दिनों तक एयर ऑपरेशन करने का प्लान तैयार किया है। इस खबर के बाद सवाल उठने लगे हैं कि क्या इस बार अमेरिका इजरायल को बचा पाएगा। ईरान की तरफ से मंडरा रहे अब तक के सबसे बड़े खतरे की वजह से तेल अवीव से वाशिंगटन तक हड़कंप मचा हुआ है। तमाम तरह के एहतियात इसलिए बरते जा रहे हैं क्योंकि ईरान 72 घंटे के भीतर इजरायल पर बहुत बड़ा हमला कर सकता है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी की तरफ से ऐसी बात कही गई है। ये ऑपरेशन तीन–चार दिनों का हो सकता है। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के प्रतिनिधि आमिर ईरवानी ने कहा है कि इजरायल को ईरान अकल्पनीय दंग देगा। ईरान के नए प्लान का खुलासा नए राष्ट्रपति मसूद पजेश्कियान के दो कदम को देखकर लगाया जा सकता है। उन्होंने ईरानी परमाणु कार्यक्रम के चीफ मोहम्मद इस्लामी का कार्यकाल बढ़ा दिया है। इतना ही नहीं मसूद ने ईरानी परमाणु कार्यक्रम को रफ्तार देने वाले अब्बास अराकची को ईरान का विदेश मंत्री नियुक्त किया है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।